जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 190 प्रभात उदयपुर, बुधवार 14 मई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा ग्यारह दिन की तिरंगा यात्रा निकालेगी

13 मई से 23 मई तक देशभर में चलने वाली इस यात्रा में पार्टी के प्रमुख नेता व कार्यकर्ता तिरंगा झण्डा लेकर चलेंगे, तथा ऑपरेशन ''सिन्दूर'' की सफलता का जश्न मनायेंगे सड़कों पर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। भाजपा ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' की सफलता को ''अपना बनाने'' के लिए, आज ग्यारह दिवसीय ''तिरंगा यात्रा'' की शुरुआत की, लेकिन पार्टी के इस अभियान में विजय का स्वर गायब नजर आया और इसके दो मुख्य कारण हैं:

पहला, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस दावे पर सरकार की अपर्याप्त प्रतिक्रिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का यह समझौता उन्होंने करवाया था और दूसरा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का यह दावा कि भारत और पाकिस्तान किसी तटस्थ स्थान पर कश्मीर समेत, लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठक करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल राष्ट्र को संबोधित करते हुए ट्रंप के दावे का परोक्ष जवाब दिया और कहा कि भारत पाकिस्तान से पीओके और आतंकवाद के अलावा अन्य किसी मुद्दे पर बात नहीं करेगा। हालांकि, रणनीतिक विशेषज्ञ

- पर, पार्टी का यह अभियान अभी जोर नहीं पकड़ पाया है, क्योंकि, सरकार अभी तक पूर्णतया संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाई, ट्रम्प की इस गर्वोक्ति का कि उन्होंने ''सीज़ फायर'' करवाई है, भारत-पाकिस्तान के बीच।
- हालांकि प्र.मंत्री मोदी ने इस गर्वोक्ति का थोड़ा-बहुत जवाब तो दिया, यह कहकर कि, भारत पाकिस्तान से केवल आतंकवाद व पाक अधिकृत कश्मीर पर ही बात करेगा।
- थोड़ा इस बात से भाजपा का जोश ठण्डा पड़ा कि ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि, उन्होंने दोनों देशों को धमकी दी, कि अमेरिका दोनों देशों से व्यापार नहीं करेगा, अगर वह ''सीज़ फायर'' पर राजी नहीं होते हैं।
- विदेश मंत्रालय ने इस बात का भी खण्डन किया, यह कह कर कि भारत व अमेरिका के बीच वार्ता में ''व्यापार'' (ट्रेड) पर कोई बात नहीं हुई।
- ''सीज़ फायर'' के बाद, भाजपा की पहली प्रेस कांफ्रेंस में सम्बित पात्रा ने यह दावा करके, कि पाकिस्तान ने इस लड़ाई में मिसाइल, एयर बेस तथा 100 आतंकवादी गंवाए, भाजपा की ''तिरंगा यात्रा'' में जोश भरने का प्रयास जरूर किया।

ब्रह्मा चेल्लानी का कहना है कि कश्मीर का मुद्दा उठाये बिना पाकिस्तान से पीओके और आतंकवाद पर बातचीत करना असंभव होगा।

आज मीडिया को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने ट्रंप के एक और दावे को खारिज किया। ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर वे युद्धविराम पर सहमत नहीं होंगे तो अमेरिका उनके साथ व्यापार नहीं करेगा। जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के नेताओं के बीच हुई बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं था।

रविवार को भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा के आवास पर हुई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों-जैसे अमेरिका की भूमिका और कश्मीर मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की संभावना पर चर्चा की गई। बैठक में इन प्रश्नों के जवाबों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित, विपक्षी नेता इन मुद्दों पर सरकार से स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र के आश्वासन के बाद भी देहरादून में दहगाह तोड़ी

नई दिल्ली, 13 मई। वक्फ संशोधन कानून को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन दिए जाने के बावजूद, उत्तराखंड में वक्फ संपत्ति के रूप में अधिसूचित हजरत कमाल शाह दरगाह को तोड़े जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्धन, देहरादून के जिला मजिस्ट्रेट सविन बंसल, देहरादून के सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह और देहरादून नगर आयुक्त नमामि बंसल को

- सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखण्ड सरकार व देहरादून जिला प्रशासन को एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया।

अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि सरकार के आश्वासन के बावजूद, 25 अप्रैल सुबह बिना किसी सूचना के दरगाह को गिरा दिया गया। कोर्ट ने सरकार ने आश्वासन के उल्लंघन पर चिंता जताई है।

17 अप्रैल को वक्फ बोर्ड संशोधित कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान, केन्द्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को यह आश्वासन दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा को शीघ्र ही जवाब ढूंढ़ना पड़ेगा इन सवालों का

जब भारत, ''मिलिटरिली'' पाकिस्तान पर हावी था, विशेषकर ''हवाई युद्ध'' में, फिर, भारत ने ''क्यों'' स्वीकार किया, अमेरिका का ''आदेश'' सीज़ फायर के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समय कटघरे में खड़े हैं। उन्हें अपनी ही पार्टी, आरएसएस, अपने प्रमुख जनाधार मध्यम वर्ग, विपक्ष और सबसे महत्वपूर्ण, सशस्त्र बलों के भीतर से कई सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

निराशा है, आक्रोश है और यह भावना भी है कि जिस तरह से नरेन्द्र मोदी, डॉनल्ड ट्रंप के पाकिस्तान के खिलाफ युद्धविराम के निर्देश के आगे झुक गए, वह एक तरह का विश्वासघात था, जबकि सैन्य दृष्टि से भारत युद्ध में बहुत आगे था और अपनी श्रेष्ठ वायु शक्ति के साथ पाकिस्तान पर भारी प्रहार कर रहा था।

यह लगभग सभी के लिए एक झटका था।

प्रधानमंत्री कैसे और क्यों यह मान गए कि युद्धविराम की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप करें, वह भी शाम 5 बजे, जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का समझौता तो पहले ही तय हो चुका था, जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने दोपहर 3:30 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन किया।

- दूसरा सवाल है, क्या भाजपा सरकार ने ट्रम्प को अनुमति/सहमति दे दी थी शाम को पांच बजे, यह घोषणा करने के लिए कि भारत पाकिस्तान में ''सीज़ फायर'' हो गया है, उन्होंने सीज़ फायर करवा दिया है। जबकि डेढ़ घण्टे पहले ही, दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन ने आपस में बात करके ''सीज़ फायर'' की सहमति बना ली थी।
- तीसरा सवाल है, दो देशों के बीच चल रहे मुद्दे में तीसरी पार्टी को भूमिका निभाने का मौका कैसे मिल गया?
- चौथा, सवाल है, भारत की ''डिप्लोमैसी'' इतनी कमज़ोर कैसे हो गई कि वह पाकिस्तान को आई.एम.एफ. का पैकेज देने से नहीं रोक सकी। और यहां तक कि पैकेज में कुछ विलम्ब तक नहीं करा सकी, यह कहकर कि अभी दोनों देशों के बीच युद्ध चल रहा है, तथा यह आशंका है, कि वित्तीय पैकेज का उपयोग हथियार खरीदने में किया जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मामला अचानक त्रिपक्षीय कैसे हो गया, जिसमें अमेरिका ने पूरी स्थिति की दिशा तय कर दी?

भारत की कूटनीति तब विफल हुई, जब वह पाकिस्तान के लिए आईएमएफ राहत पैकेज को रोक नहीं सका, यहाँ तक कि युद्ध की स्थिति में भी, वह इसे मात्र एक महीने के लिए भी टाल नहीं पाया।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं, उन्हें न तो पकड़ा गया है और न ही मारा गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शशि थरूर किसके प्रवक्ता हैं, कांग्रेस के या मोदी के?

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 13 मई। राजनैतिक गलियारों में इन दिनों ये चर्चाएं और अफवाहें सुनने को मिल रही हैं कि क्या कांग्रेस सांसद शशि थरूर भाजपा में पहुंच गये है, क्योंकि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद, वे नरेन्द्र मोदी सरकार के अनौपचारिक प्रवक्ता की तरह काम करते नजर आ रहे हैं। सर्वविदित है कि ऑपरेशन सिंदूर के अन्तर्गत, भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने 7 मई को पड़ोसी देश पाकिस्तान के आतंकी शिविरों पर सटीक स्ट्राइक की थी।

ये अफवाहें उस समय विश्वसनीय लगने लगीं, जब तिरुवन्तपुरम सांसद थरूर ने उस मुद्दे का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार शाम को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में अनकहा छोड़ दिया था-अर्थात दोनों न्यूक्लियर पड़ोसियों पर युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अमेरिका की भूमिका का मुद्दा।

सोमवार शाम को मोदी के राष्ट्र के नाम संदेश से पहले, थरूर ने जाने-माने पत्रकार करण थापर को दिये गये एक

- क्योंकि, अब ऑपरेशन ''सिन्दूर'' पर थरूर न केवल अपनी पार्टी से भिन्न मत प्रस्तुत कर रहे हैं, बल्कि, वो तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, भाजपा सरकार की ओर से, जो स्वयम् मोदी या उनके अफसर या उनके पार्टी के नेता प्रस्तुत करने से हिचकिचाते हैं।
- जब थरूर से पूछा गया क्या कि आप अब भाजपा ''जॉइन'' कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसी भी पार्टी का इतिहास, सोच, व मान्यताएं पूर्णतया अंगीकार नहीं कर लेते उस पार्टी को ''जॉइन'' करना गलत मानते हैं। पर वे, ''इंडिपैन्डैंट'' तो रह ही सकते हैं।

इंटरव्यू में जोर देते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को शर्मिन्दगी उठानी पड़ेगी, क्योंकि भारत, पाकिस्तान के साथ गनपॉइन्ट पर तो समझौका करने से रहा। और ट्रंप तथा अमेरिकन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने यह बात कही भी है।

आश्चर्य की बात यह है कि थरूर ने वह बात कह दी, जिसे कहने की हिम्मत प्रधानमंत्री मोदी नहीं जुटा सके, जिस बात को उनकी सरकार का कोई मंत्री नहीं कह पाया, और यहां तक कि विदेश मंत्रालय के अधिकृत प्रवक्ता भी जिसे कहने का साहस नहीं कर सके।

थरूर, जो विदेशी मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष है, ने थापर के एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''हम भारत की विदेश नीति के सम्पूर्ण सिद्धान्त को उनके सिर पर नहीं उड़ेल रहे हैं। हम अपने सिर पर रखी बंदूक की नौंक के डर से भी समझौता करने वाले नहीं हैं।

शनिवार की शाम को राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बात का तीन बार श्रेय लिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को ''पूर्ण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिंदा बम प्रकरणः हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड मंगाया

जयपुर, 13 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने 13 मई, 2018 को शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद जिंदा मिले बम के मामले में विशेष न्यायालय से रिकॉर्ड तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की

- याचिका में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा को चुनौती दी।

खंडपीठ ने यह आदेश अभियुक्त शाहबाज हुसैन की आपराधिक याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। दूसरी ओर मामले के एक अन्य अभियुक्त, सरवर आजमी ने भी निचली अदालत के सजा के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी है।

याचिका में अधिवक्ता फाहरुख अहमद ने बताया कि बम धमाकों के मूल मामले में विशेष न्यायालय ने याचिकाकर्ता को बरी कर दिया था। शेष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-पाक युद्ध को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में इतना कम स्थान/फोकस क्यों मिल रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। आतंकी हमले, जवाबी हमले, ड्रोन स्ट्राइक और पलटवार, और फिर दोनों देशों के दावे, कि किसे कितना नुकसान हुआ, यह सब दक्षिण एशिया में सुर्खियों में हैं। लेकिन पश्चिमी मीडिया की प्रतिक्रिया काफी मौन और धीमी रही है। जब दो परमाणु शक्ति संपन्न देश टकराव के कगार पर हों, तो वैश्विक स्तर पर अधिक तीव्र प्रतिक्रिया की अपेक्षा की जाती है। इसके विपरीत, इन घटनाओं का कवरेज छुटपुट, यदाकदा और मध्यम रहा और यूक्रेन, गाज़ा या अमेरिका की राजनीति जैसे मुद्दों की छाया में कहीं दबा हुआ सा रहा, ऐसा क्यों?

इसका उत्तर भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं, मीडिया की आर्थिक रणनीति और रिस्क नहीं लेने की संपादकीय मनोवृत्ति के जटिल जाल में छिपा है।

पहला कारण है, वृत्तांत थकावट (नैरेटिव फटीग)। पश्चिमी न्यूज़रूम पहले से ही यूक्रेन के युद्ध और गाज़ा की मानवीय त्रासदी जैसे उच्च-तीव्रता वाले

- जबकि, दोनों देश न्यूक्लियर हथियारों से सुसज्जित हैं, और किसी भी देश की नादानी/नासमझी/गैर जिम्मेदाराना सोच/एक्सीडैंट के विश्व के लिए भयानक व दर्दनाक (डैवस्टेटिंग) परिणाम हो सकते है।
- इन मीडिया की इस युद्ध के प्रति बे परवाह सोच व रवैये का विश्लेषण उतना ही जरूरी है, जितना इस युद्ध को विश्व युद्ध में परिवर्तित होने से रोकना।

वैश्विक संकटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया की खबरें तब तक ध्यान में नहीं आतीं, जब तक कि वे किसी भयानक स्तर तक न पहुँच जाएं। नैरेटिव फटीग का अर्थ है कि सम्पादक और पत्रकार विश्वभर में व्याप्त हाई इन्टैन्सिटी संकटों को कवर करते-करते थक गए हैं। संपादकों और पत्रकारों की ऊर्जा और संसाधन सीमित हैं।

यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई तथा गाज़ा का मानवीय संकट, जैसी ग्लोबल खबरों के कारण साउथ एशिया सहित अन्य क्षेत्रों को अक्सर कम कवरेज मिलता है। भारत-पाक प्रतिद्वंदिता को एक ''स्थायी क्षेत्रीय झगड़े'' के रूप में देखा जाता है, न कि किसी तात्कालिक वैश्विक संकट के रूप में। इस नज़रिए का सूक्ष्म खतरा यह है कि दक्षिण एशिया में परमाणु तनाव को सामान्य मान लिया गया है, जबकि स्थिति गंभीर होती जा रही है।

वास्तविक खतरा इस रवैये से पैदा होने वाली आत्मसंतुष्टि (कम्प्लैसन्सी) में निहित है। दक्षिण एशिया में परमाणु तनाव को सामान्य मानकर या अनदेखा करके दुनिया बढ़ते तनाव और संघर्ष के संकेतों को मिस कर सकती है, जिससे गलत अनुमान लगाने का संकट का खतरा बढ़ जाता है।

दूसरा कारण है, इस क्षेत्र की रिपोर्टिंग में चुनौतियाँ। संघर्ष क्षेत्रों, जैसे कि कश्मीर में पत्रकारों की पहुँच सीमित है। भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने-अपने पक्ष को आक्रामक रूप से प्रचारित करते हैं। स्वतंत्र सत्यापन की कमी के कारण संपादक किसी भी पक्ष के दावों को प्रमुखता देने से कतराते हैं। परिणामस्वरुप, इस तरह की खबरें सावधानी बरतते हुए लिखी जाती हैं और उन खबरों के आगे इन्हें उन्हें प्राथमिकता नहीं दी जाती, जिनकी पुष्टि की जा सकती है और जो आसानी से मिल जाती हैं।

इसके अलावा, पश्चिमी मीडिया अब ''पक्षपाती'' दिखने से बचना चाहता है। अगर भारत की सैन्य कार्यवाही को उजागर किया गया, तो मानवाधिकार संगठनों या पाकिस्तानी आलोचकों की आलोचना का सामना करना पड़ेगा। वहीं, अगर पाकिस्तान की उकसावे वाली भूमिका को उजागर किया गया, तो भारतीय समर्थकों की तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है। ऐसे में ''संतुलन'' के नाम पर मीडिया एक हल्की और सतही रिपोर्टिंग का सहारा लेता है।

एक और कारक है, पाठकों व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑपरेशन सिंदूर अब भारत का ''न्यू नॉर्मल'' है'

नयी दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह सवेरे आदमपुर वायु सेना स्टेशन पहुंचे और वहां मौजूद वायुयौद्धाओं तथा अन्य जवानों से बातचीत की। पाकिस्तान ने इस वायु सेना स्टेशन पर लड़ाकू विमानों

- आदमपुर वायु सेना स्टेशन पर सैनिकों के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा। मोदी ने वायु रक्षा प्रणाली एस-400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का पर्दाफाश कर दिया कि एस-400 नष्ट हो गई है।

तथा ड्रोन से हमले का असफल प्रयास किया था। मोदी ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस 400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-पाक युद्ध एक मध्यकालीन (मिडीवल टाइम्स) युद्ध है, जो, 21वीं शताब्दी में लड़ा जा रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस व्यक्ति की तरह दिखे, जो एक अदृश्य शत्रु से लड़ रहा हो।

उनका बयान भले ही देश के भीतर भी असर डालता हो, लेकिन मुख्य रूप से यह बाहरी दुनिया के लिए था। वे उस चीज़ के खिलाफ लड़ रहे थे, जिसका नाम नहीं लिया गया, लेकिन जिसे बहुत व्यापक रूप से फैलाया गया। वॉशिंगटन और अमेरिका में अफवाहें चल रही थीं कि भारत व पाक में अचानक हुआ युद्धविराम अमेरिका ने इसलिए करवाया, क्योंकि उसकी खुफिया जानकारी के अनुसार, भारत की विनाशकारी वायु शक्ति से परेशान पाकिस्तान परमाणु हमला करने की योजना बना रहा था।

लेकिन इस पृष्ठभूमि में मुख्य मुद्दा यह है कि भारत में आधिकारिक रूप से युद्धविराम घोषित होने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उसकी घोषणा कर दी थी।

प्रधानमंत्री के बयान और भारत की परमाणु नीति पर उनके वक्तव्य को इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। पर्दे के पीछे क्या-क्या चल रहा था, वो असली बातें शायद वर्षों बाद सामने आएंगी, उम्मीद है कि तब ये आपसी संघर्ष केवल इतिहास बनकर रह जाएगा।

लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति का सार्वजनिक बयान और फिर टेलीविज़न पर इसे दोहराने से पूरा घटनाक्रम मज़ाक बनकर रह गया है। ऐसा लगता है, जैसे अमेरिका का सर्वोच्च पद एक बचकाने, अविवेकी, उद्दण्ड के हाथ में चला गया है, जो लगभग मूर्खता की सीमा पर है।

डॉनल्ड ट्रंप को भारत-पाक के बीच के संघर्ष की न तो समझ थी, न ही कोई जानकारी।

दुर्भाग्यवश, भारत एक बार फिर पाकिस्तान के साथ एक मध्ययुगीन संघर्ष में उलझ गया, पाकिस्तान, जो

- पर, त्रासदी यह है कि यह ''मिडीवल वॉर'', तीर-कमानों, तलवारों व भालों से नहीं, बल्कि, 21वीं सदी के खतरनाक व भयानक हथियारों से (न्यूक्लियर बम) मिसाइल व ड्रोन से लड़ा जा रहा है।
- प्र.मंत्री मोदी की विडम्बना है कि वे एक अदृश्य शत्रु से लड़ रहे हैं, वॉशिंगटन व पाकिस्तान की अफवाह गढ़ने वाली एजेन्सियों से, जो टी.वी. व सोशल मीडिया का जमकर उपयोग करते हैं, पर सामने नहीं आते।

अपने पड़ोसी के खिलाफ एक ''पवित्र युद्ध'' लड़ रहा है।

इस संघर्ष की शुरुआत का भद्दा स्वरुप यह रहा, एक समूह ने निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी, और उनके निजी अंगों की जांच कर उनकी पहचान की। अगर भविष्य में कोई इतिहासकार इस संघर्ष को लिखेगा, तो शायद वह इसे ऐसे कहेगा ''युद्ध जिसका कारण.....है।'' अपराध की यह क्रूरता इतनी घिनौनी थी कि उसका उल्लेख करना भी कठिन है।

और इससे भी ज़्यादा अविश्वसनीय बात यह है कि इक्कीसवीं सदी का एक देश इन अपराधियों की रक्षा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं, भारत की स्थिति देखिए, वह इस जघन्य अपराध के चारों ओर बने चक्रव्यूह में फंस गया। इन आतंकवादियों को सज़ा दिए बिना भारत पीछे नहीं हट सकता था और वो भी सबसे स्पष्ट और प्रभावशाली तरीक़े से।

इस संदर्भ में, डॉनल्ड ट्रंप की युद्धविराम पर टिप्पणी तो देखिए। उन्होंने कुछ इस तरह कहा: ''मैंने इन दोनों देशों के नेताओं से कहा, यह लड़ाई बंद करो। मैं तुम्हारे साथ व्यापार करूंगा। बहुत सारा व्यापार। लड़ाई बंद करो। अभी बंद करो। नहीं तो मैं व्यापार नहीं करूंगा। और उन्होंने लड़ाई बंद कर दी।''

क्या इससे ज़्यादा हास्यास्पद कुछ हो सकता है? एक ''पवित्र युद्ध'' को व्यापार के प्रस्ताव से रोक रहे हैं। यह एक मानसिकता का संघर्ष है, वह मानसिकता, जिसे कुछ समय पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने व्यक्त किया था, जिसे ''मुल्ला मुनीर'' के नाम से जाना जाता है, जो उसके लिए सटीक नाम है।

इस मानसिकता को संबोधित कैसे किया जाए? यह जिहादी मानसिकता है। इसका इलाज किसी युद्धक्षेत्र में नहीं, बल्कि तब हो सकता है, जब किसी देश की मानसिकता को एक मनोचिकित्सक के पास ले जाकर इलाज कराया जाए या फिर जब तक उस मानसिकता को शारीरिक रूप से पूरी तरह नष्ट न कर दिया जाए।

यह वही नैतिक संघर्ष है, जिसका ज़िक्र अर्नेस्ट हेमिंग्वे ने स्पैनिश गृहयुद्ध पर अपने उपन्यासों में किया है। यही बौद्धिक टकराव विलियम फॉकनर के उपन्यासों में भी झलकता है।

अब सोचिए, डॉनल्ड ट्रंप का चीन के साथ क्या झगड़ा है? के अक्सर चीन के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर झुंझलाते रहते हैं, कहते हैं कि चीन ने अमेरिका की तकनीक और शोध चुरा लिया, चीन ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था का दुरुपयोग कर अमेरिका की निर्माण शक्ति को बर्बाद कर दिया।

इन्हीं अमेरिकी संसाधनों और धन से चीन ने आधुनिक हथियारों का भंडार खड़ा किया है - परमाणु हथियार, हाइपरसॉनिक मिसाइलें, नौसैनिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार क्या कर रही है

जयपुर, 13 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर क्या कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अदालत ने सुरक्षा को लेकर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की खरीद को लेकर भी राज्य सरकार से जानकारी मांगी। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश

- हाईकोर्ट ने इस संबंध में की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा पेश करने के निर्देश दिये।

एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि हम राज्य सरकार पर दबाव डालकर न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा नहीं चाहते, लेकिन न्यायिक अधिकारियों को अपनी सुरक्षा को लेकर किसी तरह का डर नहीं होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

डिजिटल प्रौद्योगिकी ने सिनेमा के अनुभव को बदल दिया है

इन दिनों यह परिभाषित करना कठिनतर होता जा रहा है कि सिनेमा क्या है? अब ज्यादातर लोग सिनेमाघरों में जाने की बजाय विशाल फ्लैट स्क्रीन टीवी, हाथ में रख सक्ने वाले टैबलेट, मेज पर रखे कंप्यूटर या अपने स्मार्टफोन पर चलचित्र देखते हैं। सिनेमा के दृश्यों को अब सेल्यूलॉइड फिल्म पर नहीं उतारा जाता। अब डिजिटल माध्यम से वीडियो फॉर्मेट में चलचित्र बनाये जाते हैं। कभी कैमरा, लाइट, फिल्म, प्रोजेक्टर और स्क्रीन का रिश्ता हुआ करता था। लेकिन ये सभी इतिहास की चीजें बनती जा रही हैं। तकनीकी छलांग ने फिल्में बनाने और प्रदर्शित करने के तरीकों को ऐसा आमूल बदला है कि आईफोन के कैमरे की संभावनाओं से रोमांचित महान फिल्मकार ज्यां लुक गो'दार की यह भविष्यवाणी सच हो साबित हो रही है कि फोन कैमरे फिल्म निर्माताओं की एक नई पीढ़ी को जन्म देंगे। अब तो एक साधारण हैंडहेल्ड डिवाइस से कोई भी फ़िल्म शूट कर सकता है, उसे संपादित कर बड़े पैमाने पर वितरित कर सकता है। इस तरह नये सिनेमा में छवियों को पकड़ने तथा उनके माध्यम से कहानी कहने का शिल्प बदल गया है। व्यावसायिक मनोरंजन की दुनिया में तो नया सिनेमा ध्वनि के माध्यम से दर्शकों को छवियां दिखाने का प्रयत्न कररहा है। एक प्रकार से उसने दृश्यों के फ्रेमिंग की धारणा को ही बदल कर रख दिया है। सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जो समय के साथ लगातार विकसित होता रहा है। सिनेमा की शुरुआत मूक फिल्मों से हुई। आज हम वीएफएक्स, सीजीआई और 3डी तकनीक से युक्त सिनेमा का आनंद ले रहे हैं। इस पूरे विकास क्रम में क्रांतिकारी मोड़ तब आया जब परंपरागत सेलुलॉइड फिल्मों की जगह डिजिटल फॉर्मेट ने ले ली। इस परिवर्तन ने न केवल फिल्मों के निर्माण की तकनीक को बदला, बल्कि उनके वितरण, प्रदर्शनी और दर्शकों की देखने की आदतों को भी पूरी तरह से बदल दिया। परंपरागत सिनेमा में कैमरे के जरिए शूट करके फिल्म को रील पर दर्ज किया जाता था। इसमें भारी-भरकम कैमरे, रील्स और डार्करूम में डेवलपिंग जैसी प्रक्रिया शामिल होती थी। वहीं, डिजिटल फॉर्मेट के आगमन से यह पूरी प्रक्रिया बदल गई और कहीं अधिक सहज, तीव्र और किफायती हो गई है। आज फिल्मकार हाई-डेफिनिशन (एचडी), 4के और 8के जैसे डिजिटल कैमरों का उपयोग कर रहे हैं, जिनसे शूटिंग की गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है। एडिटिंग भी अब डिजिटल सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाती है जैसे– 'अडोबी प्रीमियर', 'फाइनल कट प्रो' आदि, जिससे फिल्म संपादन सरल, तेज और अधिक सटीक हो गया है। डिजिटल फॉर्मेट ने स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं और नए निर्देशकों को भी फिल्में बनाने के अवसर दिये हैं, क्योंकि इसमें निर्माण, वितरण और प्रदर्शन की लागत परंपरागत फिल्मों की तुलना में बहुत कम हो जाती है। पहले मूल निगेटिव से फिल्मों के प्रिन्ट बनते थे और फिल्मों की रीलें डिब्बों में रखी जाती थी और ये डिब्बे पेटियों में बंद कर थियेटरों में प्रदर्शन के लिए भेजे जाते थे। डिजिटल फॉर्मेट ने इसे पूरी तरह बदल दिया है। अब फिल्में हार्ड ड्राइव्स, इंटरनेट या सैटेलाइट के जरिए थियेटरों तक पहुंचाई जाती हैं। इससे वितरण और प्रदर्शन लागत में भारी कमी आई है। डिजिटल सिनेमा पैकेज (डीसीपी) एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें फिल्म को एन्क्रिप्टेड रूप में भेजा जाता है, जिससे पाइरेसी को भी नियंत्रित किये जाने के उपाय किए जाते हैं।

थियेटर अब डिजिटल प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं, जिससे रील बदलने की आवश्यकता नहीं होती, और दर्शकों को अधिक स्पष्ट और आकर्षक चित्र देखने को मिलते हैं। डिजिटल सिनेमा ने दर्शकों के लिए फिल्म देखने के अनुभव को भी अत्याधुनिक बना दिया है। डिजिटल फिल्में 4के रिज़ॉल्यूशन और डॉल्बी डिजिटल साउंड जैसे फीचर्स के साथ आती हैं, जिससे थियेटर में सिनेमा देखने का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। डिजिटल तकनीक के कारण ही आज दर्शक 3डी फिल्मों और अद्भुत वीएफएक्स का अनुभव ले पा रहे हैं, जो परंपरागत सिनेमा में संभव नहीं था। लेकिन अब नई प्रौद्योगिकी दर्शकों को सिनेमाघरों से दूर भी कर रही है तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स सिनेमा और टीवी के बीच की रेखा धुंधली कर दे रहे हैं। अब बड़े फिल्मी सितारे और निर्देशक भी वेब सीरीज़ बना रहे हैं, जो कभी सिर्फ टीवी तक सीमित था। डिजिटल फॉर्मेट की सबसे बड़ी देन ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म हैं, जिनसे दर्शक अब कहीं भी और कभी भी अपनी पसंद की फिल्में देख सकते हैं। वास्तव में डिजिटल फॉर्मेट ने सिनेमा को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब हर व्यक्ति जिसके पास कहने को कुछ है, वह फिल्म बना सकता है। आज स्मार्टफोन से भी अच्छी क्वालिटी की फिल्में बन रही हैं। इसका उदाहरण है आईफोन 7 प्लस पर शूट की गई 'अनसेन' जैसी फिल्में, जो व्यावसायिक सफलताएं भी पा रही हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम रील्स और शॉर्ट फिल्म प्लेटफॉर्म्स से नए कलाकारों को पहली बार मंच मिल रहा है और इसी कारण अब नये-नये सामाजिक, राजनीतिक और संवेदनशील मुद्दों पर फिल्में बनाई जाने लगी हैं, जो पहले संभव न था। हालांकि इससे सामाजिक नैतिक मुद्दों के सवाल भी उठ रहे हैं। डिजिटल सिनेमा ने रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। एडिटिंग, कलर ग्रेडिंग, ग्राफिक डिजाइन, वीएफएक्स, साउंड इंजीनियरिंग जैसी डिजिटल स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ी है। अब कलाकार और तकनीशियन स्वतंत्र रूप से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से काम पा सकते हैं, जो पहले कठिन था। डिजिटल फॉर्मेट ने परंपरागत सिनेमा के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है – चाहे वह निर्माण हो, वितरण हो, प्रदर्शन हो, विषयवस्तु हो या दर्शकों का अनुभव। इसने सिनेमा का सार्वजनीकरण कर दिया है। यह परिवर्तन जितना तकनीकी है, उतना ही सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। हालांकि, इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट की अधिकता से गुणवत्ता का ह्रास, थिएटर संस्कृति का क्षरण और पाइरेसी के नये जातं। फिर भी यह कहना उचित होगा कि डिजिटल फॉर्मेट ने सिनेमा को एक नई दिशा और ऊंचाई दी है, जिससे भविष्य के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

अब हर व्यक्ति जिसके पास कहने को कुछ है, वह फिल्म बना सकता है। आज स्मार्टफोन से भी अच्छी क्वालिटी की फिल्में बन रही हैं। इसका उदाहरण है आईफोन 7 प्लस पर शूट की गई 'अनसेन' जैसी फिल्में, जो व्यावसायिक सफलताएं भी पा रही हैं। हालांकि इससे सामाजिक नैतिक मुद्दों के सवाल भी उठ रहे हैं।

भारत में सिनेमा मनोरंजन व्यवसाय जगत का बड़ा खिलाड़ी रहा है। इस बाज़ार में अब फिल्मों को भी फ्रैंचाइज़ी या एपिसोडिक फॉर्म में देखा जा रहा है, जो टीवी सीरियलों की तरह हर फिल्म में कुछ अधूरी कहानी छोड़ता है ताकि दर्शक अगली कड़ी का इंतजार करें। टीवी सीरियल्स की तरह अब डिजिटल फिल्मों और वेब सीरीज़ में किरदारों की गहराई, लंबे प्लॉट, और धीमी गति से कहानी का विस्तार देखा जा सकता है, जो पारंपरिक दो-तीन घंटे की फिल्मों में मुश्किल होता था। अब दर्शक बिंज-वॉचिंग (एक साथ कई एपिसोड देखने) के आदी हो चले हैं। इसलिए सिनेमा को भी उनके अनुरूप खुद को ढालना पड़ा है, जिससे उसका फॉर्मेट और टेम्पो टीवी सीरियल जैसा महसूस होने लगा है। डिजिटल कैमरा, वीएफएक्स और एडिटिंग टूल्स की वजह से अब कम बजट में भी ऐसा कंटेंट बनाया जा सकता है जो बड़े सिनेमा जितना भव्य हो। हालांकि डिजिटल तकनीक ने सिनेमा को कहानी कहने के तरीके, दर्शक की आदतें और प्रस्तुतिकरण में टीवी सीरियल जैसा बना दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इससे स्वतंत्र रचनाकारों को नई आज़ादी मिली है और उनके लिए विविधता और प्रयोग के अवसर बढ़ गए हैं। भले ही उन लोगों की संख्या बढ़ गई है जो अब घर बैठे फिल्में देखना पसंद करते हैं, लेकिन बड़े परदे का अनुभव, साउंड क्वालिटी और थिएटर का माहौल अब भी अनोखा बना हुआ है। खासकर बड़े बजट की फिल्में अपने विजुअल तथा साउन्ड इफेक्ट्स के जरिए दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर खींचती हैं और सफल भी होती हैं। मगर युवा दर्शक छोटे फॉर्मैट,जैसे यूट्यूब, रील, शॉर्ट फिल्मकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। लंबी फिल्मों के बजाय अब वेब सीरीज और एपिसोडिक कंटेंट ज्यादा देखे जा रहे हैं। एक समय था जब दर्शक फिल्म शुरू होने से पहले बड़े ध्यान से सेंसर सर्टिफिकेट को देखा करते थे, और उसमें खास तौर पर फिल्म की रीलों की संख्या और लंबाई पर अवश्य नज़र डालते थे। फिल्में तब सेलुलॉइड रीलों पर आती थीं, और एक रील लगभग 1000 फीट की होती थी, जो लगभग 10-11 मिनट की फिल्म को समेटती थी। तो अगर किसी फिल्म में 15-16 रीलें होती थीं, तो वह फिल्म लगभग ढाई घंटे की मानी जाती थी। अब डिजिटल युग में यह चलन खत्म हो गया है – फिल्में डिजिटल प्रोजेक्शन से चलती हैं, रीलें नहीं होतीं, और सेंसर सर्टिफिकेट को कोई नहीं देखता है। पर समीक्षकों का कहना है कि यह बदलाव केवल 'फॉर्मैट' में है, सिनेमा के प्रति प्रेम में नहीं, जो अब भी बना हुआ है। डिजिटल युग में कंटेंट की भरमार से कभी-कभी गुणवत्ता प्रभावित होती लगती है, लेकिन अच्छी कहानियां फिर भी टिकती हैं और दर्शकों का ध्यान खींचती हैं। परिवर्तन के दौर में सिनेमा एक नया रूप ले रहा है। डिजिटल युग के सिनेमा में प्रयोग, विविधता और व्यापक पहुंच जैसी संभावनाएं हैं। डिजिटल फॉर्मेट पुराने जमाने में बनी फिल्मों के संरक्षण और उनको मूल जैसी अवस्था में संरक्षित करने अर्थात रेस्टोरेशन को भी संभव बना रहा है। अनेक क्लासिक फिल्मों को डिजिटल रूप में स्कैन कर संरक्षित किया गया है, जिससे वे अगली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सकें। डिजिटल तकनीक की मदद से पुरानी फिल्मों के ध्वनि और रंग को सुधारा जा सकता है, जिससे वे परदे पर वैसी सी स्पष्ट नज़र आती हैं जैसी वे अपने प्रथम प्रदर्शन के समय थीं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारत-पाक युद्ध : भक्ति, आस्था एवं आराध्य का विश्वास

अविनाश जोशी

भारत-पाक युद्ध पर आध्यात्मिक विचारों और भक्ति भाव का प्रभाव एक महत्वपूर्ण विषय है एवं इस विषय पे मंथन हमारे विचारों को ओर अधिक आत्मिक बल एवं शक्ति प्रदान करता है। आस्था, मनोबल और राष्ट्रवाद का संगम अगर विचारों में आ जाए तो हमारा सैन्य बल एवं सीमाओं में रहने वाले नागरिक ज्यादा आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकते है।

युद्ध, मानवीय इतिहास का एक क्रूर और विनाशकारी अध्याय रहा है, जहाँ जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा धुंधली पड़ जाती है। ऐसे विषम परिस्थितियों में, सैन्य रणनीतियों और हथियारों के अलावा, कुछ अदृश्य शक्तियाँ भी निर्णायक भूमिका निभाती हैं – वे हैं आस्था, विश्वास और भक्ति। ये तत्व न केवल सैनिकों के मनोबल को प्रभावित करते हैं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक चेतना और युद्ध के प्रति दृष्टिकोण को भी आकार देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षों का इतिहास मात्र सैन्य रणनीतियों या राजनीतिक दांव-पेचों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि यह उन अदृश्य शक्तियों और मानवीय भावनाओं का भी दर्पण है जिन्होंने युद्ध के मैदान और जनमानस दोनों को प्रभावित किया है। इन युद्धों के दौरान, आध्यात्मिक विचारों और भक्ति का गहरा प्रभाव देखा गया, जिसने सैनिकों के मनोबल, नागरिकों की एकजुटता और राष्ट्रवाद की भावना को अप्रत्याशित रूप से आकार दिया। विचारधारा और औचित्य का आधार भारत-पाक विभाजन स्वयं धार्मिक पहचान के आधार पर हुआ था, जिसने दोनों राष्ट्रों के बीच एक मूलभूत वैचारिक अंतर पैदा किया।

युद्ध के मैदान में सैनिकों को अक्सर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की चरम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, किसी उच्च शक्ति, अपने देश के आदर्शों, या अपने उद्देश्य की पवित्रता में अटूट आस्था उनमें अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प भर देती है। यह विश्वास कि वे किसी बड़े उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं या किसी ईश्वरीय शक्ति का आशीर्वाद उनके साथ है, उन्हें भय और अनिश्चितता के बावजूद आगे बढ़ने की शक्ति देता है। देशभक्ति या धार्मिक प्रतीकों के प्रति गहरी भक्ति सैनिकों को अपनी जान की परवाह किए बिना कर्तव्य पथ पर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, यह मानते हुए कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

भारतीय संदर्भ में, भगवद गीता में वर्णित धर्म युद्ध का सिद्धांत, जो न्याय और सत्य की स्थापना के लिए आवश्यक होने पर युद्ध को एक कर्तव्य मानता है, ने संघर्ष में संलग्न होने के लिए एक नैतिक और दार्शनिक आधार प्रदान किया। यह विचार कि अन्याय और हिंसा के समक्ष निष्क्रिय रहना स्वयं एक अधर्म है, भारतीय सैनिकों और नागरिकों के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा स्त्रोत बना।

मनोबल और प्रेरणा में भक्ति का योगदान

युद्धकाल में सैनिकों के मनोबल को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, और यहाँ भक्ति व आध्यात्मिक विश्वासों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईश्वर में अटूट विश्वास, कर्म के सिद्धांत और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की भावना ने सैनिकों को अत्यधिक दबाव और जीवन-मृत्यु की परिस्थितियों में भी अडिग रहने की शक्ति दी।

इसका सबसे सशक्त उदाहरण राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित तनोट माता मंदिर है। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों के दौरान, यह माना जाता है कि पाकिस्तानी सेना द्वारा गिराए गए सैकड़ों बम मंदिर परिसर को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सके। इस घटना को सैनिकों और स्थानीय लोगों ने माता के आशीर्वाद के रूप में देखा। यह मंदिर भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा स्त्रोत बन गया है और इसे दिव्य संरक्षण के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। यह दिखाता है कि कैसे धार्मिक आस्थाएँ युद्ध के बीच भी सैनिकों को आशा और सुरक्षा की भावना प्रदान कर सकती हैं। कई सैनिकों ने युद्ध के मैदान में भी अपनी व्यक्तिगत भक्ति को बनाए रखा।

युद्ध से पहले या दौरान प्रार्थना करना, अपने इष्टदेव का स्मरण करना, या धार्मिक ठांथों का पाठ करना सैन्य बल को मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति प्रदान करता है। लेफ्टिनेंट जनरल हनुत सिंह राठौड़, जिन्हें उनके सैनिक गुरुदेव के नाम से जानते थे, एक ऐसे सैन्य अधिकारी थे जो अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति और नेतृत्व के लिए जाने जाते थे।

उनके आध्यात्मिक मूल्यों ने न केवल उनके व्यक्तिगत आचरण को बल्कि उनके सैनिकों में विश्वास और समर्पण की भावना को भी प्रभावित किया। युद्धकाल में, देशभक्ति की भावना अक्सर धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत होती थी। लोग देश की जीत और सैनिकों की सुरक्षा के लिए मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों में विशेष प्रार्थनाएँ करते थे। धार्मिक स्थलों पर आयोजित सामूहिक अनुष्ठान और भजन-कीर्तन जनता को एकजुट करते थे और उनमें सामूहिक आशा व संकल्प की भावना भरते थे। विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं ने भी इस दौरान अपनी भूमिका निभाई। कुछ ने युद्ध की विभीषिका को समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए प्रार्थना और सद्भाव का संदेश दिया। वहीं, कुछ ने राष्ट्र की रक्षा और सैनिकों के समर्थन में लोगों को एकजुट होने का आव्हान किया। जैन मुनियों जैसे आध्यात्मिक गुरुओं ने वैश्विक शांति के लिए अपनी प्रार्थनाओं के माध्यम से संघर्षों को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अक्सर, आस्था और विश्वास युद्ध में संलग्न होने या उसका समर्थन करने के लिए एक शक्तिशाली प्रेरक शक्ति और औचित्य प्रदान करते हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक संघर्षों को धर्म युद्ध पवित्र कर्तव्य या न्याय के लिए संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया गया है। चाहे वह भगवद गीता का धर्म युद्ध का सिद्धांत हो, जहाँ अन्याय के विरुद्ध संघर्ष को कर्तव्य माना गया है, ये वैचारिक आधार सैनिकों और नागरिकों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनका संघर्ष नैतिक और आध्यात्मिक रूप से सही है। यह प्रेरणा उन्हें अपने उद्देश्य के लिए अडिग रहने और युद्ध की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है।

मानसिक सहारा और भावनात्मक लचीलापन

युद्ध का आघात और तनाव सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। आस्था और भक्ति उन्हें इन भयानक अनुभवों से निपटने में मदद करती हैं। प्रार्थना, ध्यान, या धार्मिक अनुष्ठान सैनिकों को मानसिक शांति प्रदान करते हैं और भय, चिंता तथा भावनात्मक सदमे से उबरने में सहायक होते हैं। नुकसान और हार की स्थिति में भी, विश्वास यह आशा देता है कि अंततः न्याय होगा या उनके साथियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। यह मानवीय लचीलेपन को बढ़ाता है और उन्हें विपरीत परिस्थितियों में भी आशावान रहने की शक्ति देता है।

बलिदान की भावना और नैतिक आयाम

गहरे विश्वास और भक्ति से ओत-प्रोत व्यक्ति अपने देश, अपनी विचारधारा या अपने धर्म के लिए सर्वोच्च बलिदान देने को तैयार रहते हैं। वे मानते हैं कि उनकी मृत्यु एक नेक काम के लिए होगी और उसका कोई आध्यात्मिक या राष्ट्रीय महत्व होगा। युद्ध के बाद, वीरगति प्राप्त करने वाले सैनिकों को अक्सर धार्मिक या सांस्कृतिक नायक के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिससे दूसरों को भी प्रेरित होकर लड़ने की प्रेरणा मिलती है। हालाँकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि आस्था का उपयोग कभी-कभी युद्ध अपराधों को सही ठहराने या मानवीय मूल्यों का उल्लंघन करने के लिए भी किया जा सकता है, जो इस शक्ति के दोहरे पहलू को दर्शाता है।

युद्ध में आस्था, विश्वास और भक्ति की भूमिका केवल एक सहायक तत्व नहीं है, बल्कि यह संघर्षों के मनोविज्ञान और परिणाम को आकार देने वाली एक मूलभूत शक्ति है। यह सैनिकों को आंतरिक शक्ति, प्रेरणा और नैतिक बल प्रदान करती है, वहीं पूरे राष्ट्र को एकजुट करती है और उन्हें कठिन समय में दृढ़ रहने की क्षमता देती है। युद्ध की विभीषिका के बीच, ये मानवीय मूल्य और आध्यात्मिक धारणाएँ आशा की किरण और दृढ़ संकल्प का स्त्रोत बनी रहती हैं, जो मानवीय सहनशीलता की असीम गहराई को दर्शाती हैं।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

एक प्राचार्य के भरोसे चल रहा है राजलदेसर का राजकीय महाविद्यालय

महाविद्यालय में 20 पद स्वीकृत, वर्तमान में मात्र कला संकाय विषय संचालित है

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे में राजकीय महाविद्यालय में लंबे समय से प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मी के रिक्त पद चल रहे हैं जिसमें 7 प्रोफेसर, 13 कार्यालय कर्मी जिसके कारण महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वर्तमान में मात्र एक प्राचार्य के भरोसे चल रहा है। वर्तमान में महाविद्यालय में मात्र एक कला संकाय है जिसमें प्रथम वर्ष में 300 छात्र-छात्राएं अध्यनरत है। द्वितीय वर्ष में 180, तृतीय वर्ष में 160, इसके अलावा साइंस, कॉमर्स का विषय नहीं होने के कारण सीनियर करने वाले छात्र-छात्राओं को अन्यत्र जगह जाना पड़ता है। जिससे उनको समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। साथ ही अभिभावकों को भी काफी परेशानी होती है। वहीं रिक्त पदों को लेकर अनेकों बार पूर्व में कांग्रेस सरकार एवं वर्तमान में भाजपा सरकार को राजलदेसर कस्बे के राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी की ओर से सरकार को अवगत करा चुके हैं, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके अलावा प्रथम वर्ष कला संकाय में कम सीट होने के कारण 500 आवेदन पिछले सत्र में आए थे, जिसमें मात्र 300 सीट होने के कारण छात्र-छात्राओं को दूसरी जगह प्रवेश लेना पड़ा। साथ ही आने वाले सत्र में कला संकाय में सीटें और बढ़ाने की आवश्यकता है।

राजलदेसर कस्बे में राजकीय महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मी के रिक्त पद चल रहे हैं।

- लंबे समय से प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मी के पद रिक्त चल रहे हैं
- छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

जानकारी अनुसार महाविद्यालय सन् 2020 के अंदर कांग्रेस सरकार में स्वीकृत हुआ था। भवन नहीं बनने के कारण श्री यूनियन क्लब विद्यालय में स्थाई तौर पर शुभारंभ किया गया था। उसके बाद सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध करवाई गई एवं कांग्रेस की सरकार में नेशनल हाईवे 11 पर भवन का निर्माण हुआ जिसका उद्घाटन 2024 में वर्चुअल उद्घाटन करके भवन पूर्णतया रूप से संचालित होने लगा। उद्घाटन के अवसर पर रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने 7. 50 लाख रुपए की लागत राशि से बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर की घोषणा की, जो महाविद्यालय के अंदर पहुंच चुका है। इसके अलावा राजलदेसर के भामाशाहों के द्वारा अनेकों उपकरण उपलब्ध करवाई एवं जीनस कंपनी एवं श्री राजलदेसर गौशाला के संयुक्त तत्वाधान में 2 लाख की अधिक की राशि के ड्रिप पद्धति द्वारा पेड़ पौधे लगाए गए जो आज महाविद्यालय में पेड़ बड़े-बड़े हो चुके हैं, लेकिन सब कुछ होते हुए यहां पर स्टॉफ नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नए शिक्षा सत्र से पहले इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों को पोस्टिंग मिलेगी

शिक्षा विभाग की ओर से पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी

बीकानेर, (निसं)। चयन परीक्षा में चयनित 30 हजार शिक्षकों को 8 माह से पदस्थापन का इंतजार है। प्रदेश के सभी 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में राज्य सरकार की ओर से प्रवेश के निर्णय के बाद उम्मीद की जा रही है कि नए शिक्षा सत्र से पहले इन स्कूलों में शिक्षकों का पदस्थापन भी हो जाएगा। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। चयन परीक्षा का परिणाम 23 दिसंबर को घोषित किया गया। जिसमें करीब 30 हजार शिक्षक चयनित हुए। चयनित शिक्षकों से पोस्टिंग के लिए 41 जिलों के आधार पर शिक्षा विभाग पूर्व में विकल्प ले चुका है। लेकिन इन शिक्षकों के पदस्थापन से पहले ही राज्य सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए रिव्यू कमेटी का गठन कर दिया। दिसंबर में गठित हुई कमेटी ने दो दिन पूर्व ही फैसला दिया है कि वर्तमान शिक्षा सत्र में एक भी इंग्लिश मीडियम स्कूल को बंद नहीं किया जाएगा। पूर्व में संचालित सभी इंग्लिश मीडियम स्कूल में वर्तमान शिक्षा सत्र में भी प्रवेश होंगे। प्रवेश की प्रक्रिया भी 7 मई से शुरू हो चुकी है। उधर अब चयनित शिक्षक इन स्कूलों में पदस्थापन की मांग कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि 1 जुलाई से पहले चयनित शिक्षकों को इन स्कूलों में पदस्थापन दिया जा सकता है। शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित की गई चयन परीक्षा में लगभग 30 हजार शिक्षक का चयन हुआ था। बताया जा रहा है कि इनमें से 25 हजार शिक्षकों ने विभिन्न जिलों में पदस्थापन के लिए विकल्प भरा है। ऑनलाइन सबमिट किए गए विकल्पों के आधार पर ही मेरिट से चयनित शिक्षकों को जिला आवंटित किया जाना है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र दिन 11:47 तक, परिद्य योग प्रातः 6:24 तक, तैतिल करण दिन 1:33 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग सूर्योदय से दिन 11:47 तक है। राजयोग दिन 11:47 तक रहेगा। आज ज्येष्ठ संक्रांति, सूर्य वृषभ में प्रवेश रात्रि 12:12 पर करेगा। पुण्य काल गुरूवार को रहेगा। गुरू मिथुन राशि में रात्रि 10:35 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:43 से 12:23 तक, चर 3:43 से 5:22 तक, लाभ 5:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02

मेष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सार-समाचार

हीर चौबीसा ने लहराया परचम

भीण्डर, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के सीबीएसई स्कूल राणा प्रताप इंग्लिश मीडियम स्कूल की 10 वीं कक्षा की छात्रा ने परिणाम में भीण्डर का परचम लहराया है। भीण्डर की हीर चौबीसा ने सीबीएसई 10 वीं बोर्ड में 94.20 प्रतिशत अंक हासिल करके जिले में भीण्डर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हीर चौबीसा के पिता ललित चौबीसा टेलिकॉम बिजनेस में हैं तो वहीं माता गृहणी है। हीर चौबीसा ने अपनी सफलता के लिए स्कूल प्रबंधक व स्टॉफ का आभार व्यक्त किया। हीर चौबीसा ने कहा कि वर्षभर नियमित पढ़ाई और अनुशासन से ही सफलता मिली है। राणा प्रताप संस्थान के निदेशक डॉ. राजेन्द्र मेनारिया ने कहा कि हमारे क्षेत्र की बेटियां जब इस तरह सफलता प्राप्त करती हैं तो संस्थान के प्रत्येक सदस्य को गर्व की अनुभूति होती है। हमारा ये ही प्रयास हैं कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में राणा प्रताप संस्थान ज्यादा से ज्यादा काम में आएं।

जैन साध्वी का मंगल प्रवेश

कपासन, (निसं)। जैन श्रमण संघीय महासाध्वी मधु कंवर और डॉ. चिंतन ने मंगलवार को कपासन में मंगल प्रवेश किया। संघ अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिरोया ने बताया कि साध्वी जी ने भट्टों का बामनिया से विहार कर कस्बे में प्रवेश किया। श्रद्धालुओं ने राजेश्वर सरोवर तालाब की पाल पर साध्वीजी की अगवानी की। जय घोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। कस्बे में जुलूस के रूप में प्रवेश के बाद उन्हें अंबेश भवन में ठहराया गया है। साध्वी जी का यहां एक सप्ताह का प्रवास रहेगा। उनका चातुर्मास उदयपुर में निर्धारित है। इस अवसर पर राहुल हिंगड, अनिल बाफना, अविनाश दुगड, रतन चण्डालिया, कमलेश डांगी, कैलाश चण्डालिया, अभिषेक बाघमार और गजेंद्र ढीलीवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।जैन श्रमण संघीय महासाध्वी प्राची के साथ साध्वी देवांशी, साध्वी ब्रह्मी और साध्वी सुन्दरी जी भी ठाणा 4 अंबेश भवन में विराजमान हैं।

पाकिस्तान का साथ देना तुर्की को पड़ा भारी

उदयपुर, (कासं)। मार्बल प्रोसेसर समिति की बैठक में उद्यिमयों का निर्णय, बैठक में स्वेच्छा से तुर्की से तोड़े व्यापारिक रिश्ते, उदयपुर के मार्बल उद्यमी तुर्का से नहीं करेंगे मार्बल का आयात, जिले के 50 से अधिक उद्यमी तुर्का से करते हैं व्यापार, सालाना करीब 5 हजार करोड़ रुपए का होता है व्यापार, पीएम मोदी को पत्र लिख निर्णय से करवाया अवगत, उद्यमी बोले-भविष्य में भी राष्ट्रिहत रहेगा सर्वोपरि, समिति अध्यक्ष कपिल सुराणा ने जानकारी दी।

रक्तदान शिविर आज

उदयपुर, (कासं)। शहीद मेजर मुस्तफा ट्रस्ट और सेवा उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को सहेली मार्ग स्थित एनसीसी मुख्यालय पर शौर्य चक्र से सम्मानित शहीद मेजर मुस्तफा की जन्म दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविर की तैयारी को लेकर मंगलवार को कलेक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल एवं एडिशनल एसपी गोपाल स्वरूप मेवाडा ने पोस्टर का विमोचन किया।

विधायक माहेश्वरी ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

राजसमंद, (निसं)। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने मंगलवार को क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजसमंद नगर परिषद क्षेत्र में निर्माणाधीन सभागार, ग्राम पीपली आचार्यान में सांसद निधि से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन तथा मोही पंचायत क्षेत्र में प्रगतिरत विकास कार्यों का अवलोकन किया।

इस दौरान नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय, कार्यकारी अधिकरण के अधिकारी, संबंधित कर्मचारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक ने कार्य स्थलों पर परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी ली एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्त कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। पीपली आचार्यान में सांसद विकास निधि से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का कार्य लंबे समय से रुका होने पर विधायक ने रोष व्यक्त किया एवं संबंधित विकास अधिकारी को शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों की मांग पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जिला खनिज प्रतिष्ठान से पीपली बाईपास, बडलिया से बस स्टैंड तक सडक निर्माण को शीघ्र स्वीकृति दिलाने तथा सोनियाणा से पीपली तक सडक निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने खेम सागर को अमृत सरोवर योजना में जोडने का आश्वासन भी दिया। पूर्बिया मोहल्ला में सामुदायिक भवन के विस्तार के लिए 1० लाख रुपये तथा साडीवाल मोहल्ला में सामुदायिक भवन के विस्तार के लिए 7 लाख रुपये की घोषणा की गई। इस अवसर पर पूर्व सरपंच महेश आचार्य ने विद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारंभ करने एवं बालिका विद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई केंद्र खोलने की मांग विधायक के समक्ष रखी। इस दौरान पूर्व मण्डल अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी, सम्पत नाथ, मण्डल उपाध्यक्ष लालूराम पूर्बीया, उप सरपंच मुकेश कुमावत, बूथ अध्यक्ष दीपक मेलाना, बाबूलाल सेन, बाबूलाल पूर्बिया, श्यामलाल टांक, मनीष आचार्य, कुंवर विनोद आचार्य, हरीश आचार्य, किशनलाल कुमावत सहित कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

राजसमंद के हाऊसिंग बोर्ड में निर्माणाधीन टाउनहॉल (सभागार) का निरीक्षण कर शीघ्र कार्य पुर्ण करने के निर्देश देती विधायक दीप्ति माहेश्वरी।

नकबजनी करने वाले दो पकड़े

उदयपुर,(कासं)। सविना थाना पुलिस ने फ्लेट का ताला तोड़ कर नकबजनी करने के मामले में अन्तर्राज्यीय चोर गैंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीडित मुकेश निवासी पीपलखेड़ा डूंगला चित्तोड़गढ हॉल कृष्णांगन अपार्टमेंट बी ब्लॉक न्यू विद्यानगर सेक्टर 4 हिरणमगरी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 20 मई को धुणीमाता मेरे ससुराल डबाक चले गए थे।

28 मई को मैं जयपुर चला गया था। 29 मई को ऑफिस स्टाफ जितेन्द्र सिरवी को फ्लेट देखने भेजा। 30 मई को दूध देने वाले रामलाल ने ताला टूआ होने की सूचना दी। इस पर पत्नी दीपिका को फ्लेट पर जाकर देखने भेजा।

जहां ताला टूटा होकर कमरों में सामान बिखरा पडा था एवं 40 लाख रूपये नकद, 37 तोला सोने के जेवरात गायब थे। प्रकरण दर्ज होने पर सविना थानाधिकारी राव अजयसिंह के नेतृत्व में एसआई अजयराजसिंह, एएसआई नवीन कुमार मय टीम ने आरोपी खडकसिंह उर्पु खगडसिंह पुत्र रमेश निवासरी भगोली टाण्डा धार एमपी, रमेश रम्मू रामु निवासी गुराड़िया टाण्डा एमपी को एमपी इन्दौर कारागृह से प्रोडक्शन वारंट जरिये गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से पांच लाख रूपये नकदी बरामद की। इस मामले में अब तक 20 लाख रूपये नकदी बरामद की जा चुकी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत नांदेशमा
पंचायत समिति सायरा, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-33 दिनांक-12.5.2025

-:ई निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत नांदेशमा में DMFT योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नांदेशमा में दो कमरे निर्माण कार्य हेतु UBN No-ZUD2526WSOB00184 के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत नान्देशमा
पं.स.सायरा,
जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत नान्देशमा
पं.स.सायरा,
जिला-उदयपुर (राज.)

दो गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)।बाघपुरा थाना पुलिस ने सरकारी स्कूल से सामान चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर गठित दल ने दो माह पूर्व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बारी का ताला तोड़ कर एलईडी टवी व सामान चोरी करने के मामले में चन्दु निवासी बारी बाघपुरा, प्रेम प्रकाश उर्फ पिरू निवासी बारी बाघपुरा को गिरफ्तार किया।

केबल चोरी करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने विद्युत मोटर, केबल व सामान चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर चोरी किया माल बरामद किया।

प्रकरण के अनुसार 8मई को सूचना मिली कि गोगुन्दा थानाक्षैत्र टोल नाका के समीप रहने वाले मोहनलाल पुत्र तुलसी राम तेली के खेत से ट्यूबवैल में लगी विद्युत मोटर व केबल, रस्सा, व अन्य सामान चोरी कर जीप में लेकर भाग रहे है। इस पर पुलिस ने पिछा कर जीव सवार लोग अंधेरा का फायदा उठा कर भाग गए। दूसरे दिन 9 मई को पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी चम्पा उर्फ चम्पाराम निवासी चाम्बुआ बैकरिया को गिरफ्तार किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत कमोल
पंचायत समिति सायरा, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-24 दिनांक-12.5.2025

-:ई निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत कमोल में DMFT योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कमोल में दो कमरे निर्माण कार्य क्रमश: UBN No-ZUD2526WSOB00183 के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत कमोल
पं.स.सायरा,
जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कमोल
पं.स.सायरा,
जिला-उदयपुर (राज.)

ऑपरेशन सिंदूर विजय तिलक दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के सफल ऑपरेशन पर भारतीय सेनाओ की कुशलता के लिया श्री महावीर हनुमान मंदिर धूलकोट चौराहा पर आज भव्य आरती व सुंदरकांड का पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें पांच सौ से अधिक श्रद्धालुओं एव भक्तों ने भाग लेकर हनुमान जी से हमारे सैनिकों की लम्बी आयु की कामना की। हनुमान जी का प्रसंग जे तेही मारे, में तनु मारे वाले सिद्धांत पर भारत सरकार व प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की गई ।

सरहद की सुरक्षा करने वाले सैनिकों के लिए पत्रकारों ने किया रक्तदान

डूंगरपुर, (निसं)। ज्येष्ठ माह की प्रथम तिथि को इस ब्रह्मांड के पहले सूचना वाहक नारद मुनि के प्राकट्ययोत्सव पर आज जिला पत्रकार कल्याण समिति की ओर से पत्रकारों का मेडिकल हेल्थ चेक शिविर हरिदेव जोशी जिला अस्पताल में आयोजित किया गया।

चिकित्सक अधीक्षक डॉ महेंद्र डामोर, उपाधीक्षक डॉ कौस्तुभ सिंह के मार्गदर्शन में पत्रकारों अपने परिवार के साथ स्वास्थ्य जांच के लिए पहुंचे। जहां पर डॉ अभयसिंह के मार्गदर्शन में पत्रकार के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें डॉ रितिक पटेल, डॉ जय ने सहयोग किया।

उन्होंने पत्रकारों के कार्य के दौरान होने वाले स्ट्रेस और अन्य तकलीफों को समझते हुए मेडिकल लैब के लिए जांच लिखी। इसके बाद उनके ब्लड की विभिन्न जांच कराई गई। इसके अलावा वरिष्ठ कंपाउडर कौशिक टेलर, टेक्नीशियन दक्षा गौड़ ने ईसीजी के माध्यम से हृदय की जांच की। वही लैबोरेट्री सैम्पल कलेक्शन जितेंद्र यादव और विपुल अहारी ने सैम्पल लिए।

शिविर में 29 पत्रकार और उनके परिवारजन ने सैम्पल दिए। इसमें सीबीसी, क्रियटिनिन, लिपिड ब्लड प्रोफाइल सहित अन्य जांच कराई गई। इसके बाद पत्रकारों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जैसलमेंर, बाडमेर और फलौदी जिले की पाकिस्तान सीमा पर लगे सुरक्षा जवानों के लिए रक्तदान किया गया। देशभर में युद्ध के माहौल में राज्य सरकार की ओर से रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी को ध्यान में रखते हुए पत्रकारों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए प्रभारी डॉ राजेश सरैया, डॉ रितुल राठौड, काउंसलर स्वागत लक्ष्मी चतुर्वेदी, पूनम राठौर, पुष्पा यादव, शिवलाल यादव, राज लोहार, गोपाल परमार, निखिल जैन, निलेश कुमार और अनिल त्यागी ने सहयोग किया। शिविर का आभार जिला पत्रकार कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष पुनीत चतुर्वेदी ने माना।

बारिश से मौसम में घुली ठंडक

उदयपुर,(कासं)।लेकसिटी में मंगलवार की सुबह उमस भरी रही। हांलाकि दोपहर होते होते आसमान में बादल छा गए लेकिन उमस बढ़ने लोगों के पसीने छुट गए,लेकिन अपरान्ह साढ़े तीन बजे जम कर बरसे मेघो ने माहौल में ठण्डक घोल कर गर्मी से कुछ राहत दी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सोमवार को शहर के कई हिस्सों सहित पूरे जिले में कई जगहों पर बारिश का दौर देखने को मिला। सोमवार शाम को हुई बारिश के बाद कुछ समय के लिए मौसम में ठंडक आ गई लेकिन मंगलवार को उमस बढ़ गई। सोमवार देर शाम को बिना मौसम हुई बरसात की वजह से कई जगहों पर पानी भर गया। शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए तो वहीं ग्रामीण इलाकों में हुई तेज बारिश के बाद कई गांवो में खेतो में पानी भरने से किसानों के चेहरों पर मायूसी छा गई। सोमवार को सुबह से ही बादल छाए रहे लेकिन शाम को हुई बारिश से भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत दी लेकिन अब किसानों को इस बात की चिंता सताए जा रही है कि आने वाले दिनों में तेज गर्मी नहीं होती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत ढुण्डी
पंचायत समिति सायरा, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-30 दिनांक-12.5.2025

-:ई निविदा सूचना :-

ग्राम पंचायत ढुण्डी में DMFT योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढुण्डी में दो कमरे निर्माण कार्य हेतु UBN No-ZUD2526WSOB00182 के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत ढुण्डी
पं.स.सायरा,
जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत ढुण्डी
पं.स.सायरा,
जिला-उदयपुर (राज.)

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल उदयपुर,वृत-उदयपुर
(RHB Office Building पारस तिराहा सेक्टर-11, उदयपुर-313001)
Email-DHCUDPR_RHB@RAJASTHAN.GOV.IN
पत्र क्रमांक-उप.आ.आ./वृत्त-उदय/2024-25/106 दिनांक-13.5.2025
Registerd

-: जाहिर आम सूचना (दौहरा रजिस्ट्री नामान्तरण) :-

आवास संख्याA-234 आयवर्गEWS माप 46.35 वर्ग मीटर योजना दक्षिण विस्तार आवासीय योजना-बलिचा शहर उदयपुर का श्री दुर्गाराम पुत्र श्री दयाराम को आवंटन पत्र क्रमांक 1774 दिनांक 16.12.2011 जारी कर दिनांक 30.01.2013 को कब्जा दिया गया। श्री दुर्गाराम पुत्र श्री दयाराम ने उक्त आवास का बैचान श्री रामचन्द्र टेलर पुत्र श्री छोगालाल को किया गया। उक्त आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 1020 दिनांक 06.08.2015, श्री रामचन्द्र टेलर पुत्र श्री छोगालाल को जारी किया गया एवं प्रथम पंजीयन दिनांक 24.08.2015 द्वारा श्री रामचन्द्र टेलर पुत्र श्री छोगालाल के पक्ष में निष्पादित करवाई गई।

पंजीयन उपरान्त श्री रामचन्द्र टेलर पुत्र श्री छोगालाल ने उक्त आवास का बेचान विक्रय-पत्र (पंजीकृत) द्वारा दिनांक 25.08.2015 को श्रीमती रेणु जैन पत्नी श्री पंकज जैन को किया गया तथा श्रीमती रेणु जैन पत्नी श्री पंकज जैन ने उक्त आवास का बेचान विक्रय-पत्र (पंजीकृत) द्वारा दिनांक 22.12.2015 को श्री अजय कुमार सनाढ्य पुत्र श्री विष्णुदत्त को किया गया। तत्पश्चात श्री अजय कुमार सनाढ्य पुत्र श्री विष्णुदत्त ने उक्त पुन: आवास का बैचान विक्रय-पत्र (पंजीकृत) दिनांक 26.09.2024 द्वारा श्री नारायण लाल गुर्जर पुत्र श्री देवीलाल गुर्जर को किया गया। श्री नारायण लाल गुर्जर पुत्र श्री देवीलाल गुर्जर ने इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास को विक्रय-पत्र (पंजीकृत) के आधार पर अपने नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

श्री नारायण लाल गुर्जर पुत्र श्री देवीलाल गुर्जर ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र मण्डल के निर्धारित प्रपत्रों में प्रस्तुत कर इस कार्यालय में निवेदन किया है कि उक्त आवास को उनके नाम कर दिया जावें।अत: इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 10, दिवस के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें अन्यथा आपत्ति नहीं होने के कारण आवास संख्या A-234, दक्षिण विस्तार आवासीय योजना, उदयपुर का नामान्तरण श्री नारायण लाल गुर्जर पुत्र श्री देवीलाल गुर्जर के पक्ष में हस्तानान्तरण कर मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-उदयपुर

हमले का आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। राजतालाब थाना पुलिस ने रंजीश के चलते एक परिवार को जान से मारने की नियत से कार चढा घायल करने के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी गंगाराम ने बताया कि गत 9 मई को राजु पुत्र नारायण बामनिया निवासी भापोर ने रिपोर्ट दी कि 8 मई की रात्रि उसके पिता नारायण किराणे की दुकान बंद कर घर आ रहे थे कि सामने से मुकेश पुत्र रकमा बामनिया निवासी भापोर कार में अपने साथी विनोद पुत्र रतना व सुनील पुत्र बहादुर के साथ आया और प्रार्थी के पिता की मोटर साईकिल को रोककर पुरानी रंजीश के चलते मारपीट की। इसी दौरान प्रार्थी के बड़े पापा कचरू व सुनील जो पास के मकान में रहते थे बीच बचाव करने आये तो मुकेश ने साथियों के साथ कार में बैठकर कार से मोटर साईकिल को टक्कर मार दी और जान से मारने की नियत से कार कचरू व अनिल पर चढ़ा दी जिससे कचरू को गंभीर चोटे आयी वहीं अनिल के हाथ व कुल्हे के पास चोटे लगी।

ज्ञान, कला व नवाचार का उत्सव 23 से

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित समर स्कूल 2025 का शुभारंभ 23 मई से होने जा रहा है। सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक चलने वाले इस साप्ताहिक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 मई, 2025 है। समर स्कूल के तहत 19 भिन्न-भिन्न कार्यक्रमों में से विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार किसी एक कार्यक्रम में स्वयं को ऑनलाइन या व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर रजिस्टर करवा सकता है। दसवीं, बारहवीं या ग्रेजुएशन उत्तीर्ण कोई भी विद्यार्थी समर स्कूल में भाग ले सकता है। पेसिफिक ग्रुप से राहुल अग्रवाल ने बताया कि कुछ नया सीखने और कौशल विकसित करने का विद्यार्थियों के लिए यह रोचक अवसर है। इसमें विद्यार्थी प्रायोगिक रुप से न केवल नए कौशल सीखेंगे, बल्कि अपनी रचनात्मकता और व्यक्तित्व को भी निखारेंगे। पेसिफिक समूह के सीईओ शरद कोठारी के अनुसार पेसिफिक हमेशा से नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह ठीष्मकालीन स्कूल इसी दिशा में एक और कदम है। इसके अंतर्गत हर कार्यक्रम को इस तरह डिज़ाइन किया है कि प्रतिभागियों को सीखने के साथ-साथ आनंद भी आए। पेसिफिक शिक्षा समूह के पेट्रन प्रो. बी.पी शर्मा ने कहा कि यह ठीष्मकालीन शिविर सीखने, खेलने और बढ़ने का एक अद्भुत मिश्रण है, जो विद्यार्थी को जीवनभर याद रहेगा। हर कोर्स में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी। गर्मी की छुट्टियों को प्रोडक्टिव तरीके से बिताने का यह सार्थक मौका है। पेसिफिक विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट प्रो. हेमंत कोठारी ने उल्लेख किया कि संपूर्ण व्यक्तित्व विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बुनियादी समझ, रचनात्मक पाक कला, पब्लिक स्पीकिंग और कम्युनिकेशन स्किल्स, ज्वेलरी मेकिंग, योगा, फायर सेफ्टी एंड इमरजेंसी रिस्पॉन्स ट्रेनिंग, शूटिंग, मैथ्स तकनीक, प्रायोगिक जर्नलिज्म, विधिक ज्ञान इत्यादि विषयों पर पृथक-पृथक समर स्कूल रहेंगे।

डूंगरपुर जिले के तालाबों को जनभागीदारी से स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे : कलक्टर

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले की समस्त पंचायत समिति के अंतर्गत ठााम पंचायत में बने हुए तालाबों का रखरखाव, अतिक्रमण मुक्त और उचित साफ-सफाई रखने संबंधित अभियान प्रारंभ किए जाने को लेकर डूंगरपुर जिला प्रशासन के साथ स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के प्रदेश समन्वयक के के गुप्ता ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में डूंगरपुर जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ और अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया उपस्थित रहे।

बैठक में जिला कलेक्टर सिंह ने कहा कि जल का संरक्षण और संवर्धन किया जाना हम सभी का प्रथम दायित्व है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन इस विषय पर अत्यंत गंभीर है और इस जनजाति अंचल के निवासियों की पेयजल से जुड़ी समस्याओं और जल स्त्रोत संरक्षण से संबंधित सभी घटक पर कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। जिला कलेक्टर ने कहा कि आगामी 16 मई से डूंगरपुर जिले की सभी 12 पंचायत समिति में 10-10 ग्राम पंचायत के तालाबों का चयन कर तालाब सफाई अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत तालाब की भराव क्षमता, उचित साफ-सफाई, सफाई के दौरान निकलने वाला कचरा, सफाई कार्य में नियोजित श्रमिक संख्या, तालाब जल आवक मार्ग से अवरोध हटाना, तालाब में डीसिल्टिंग करना, अतिक्रमण मुक्ति और तालाब के घाट पर मरम्मत, रंगाई पुताई आदि कार्य किए जाएंगे। सभी कार्यों की जियो लोकेशन टैगिंग भी की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इन सभी चयनित तालाबों पर स्थानीय जनसमुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी तथा उच्च स्तरीय मशीन संसाधन आदि का प्रबंध करते हुए तालाब सफाई अभियान के सभी लक्ष्य आगामी एक महीने में प्राप्त किए जाएंगे। बैठक में गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बने हुए तालाब वहां के निवासियों के लिए पेयजल का प्रमुख स्त्रोत होते हैं इसके साथ ही गांव के पशु पक्षी और मवेशियों के लिए भी पीने के पानी का एकमात्र सहारा होते हैं तथा कृषि में भी सहायक होते है। उन्होंने कहा कि गांवों के तालाब हमारे पर्यावरण और समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। उनकी देखभाल और साफ-सफाई करना हम सबकी जिम्मेदारी है और इसी लक्ष्य को लेकर हम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन स्वस्थ राजस्थान और जल युक्त राजस्थान को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के सरकारी आंकड़ों के आधार पर यह माना जा सकता है कि डूंगरपुर जिले में भूजल स्तर कम हो रहा है एवं धरती के पानी के टीडीएस स्तर भी वृद्धि हो रही है। इसकी रोकथाम के लिए जल संरक्षण तकनीक को लागू करना बहुत आवश्यक है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी राठौड ने बताया कि पंचायत समिति सागवाड़ा की ग्राम पंचायत घोड़ा फला, पाडला हांडलिया, वामसा, ओड, गड़ा झुमझी, टामटिया, वगेरी, पारडा सरोदा, बडगामा और कराड़ा, पंचायत समिति गलियाकोट की ग्राम पंचायत फोफलीबोर, घाटा का गांव, डैयाना, नादिया, बाबा की बार, भेमई, रातडिया और लिंबडिया, पंचायत समिति सीमलवाडा की ग्राम पंचायत निठाउवा, पीठ, झलाई, डूंका, धम्बोला, मेवडा, सरथुना, साकरसी, सादडिया और सीमलवाड़ा, पंचायत समिति चिखली की ग्राम पंचायत कुआं, उदडिया, चिखली, माला खोलडा, डुंगर सारण, धनगांव, पुनवाडा, बोडामली, सेंडोला और साकोदरा, पंचायत समिति झौंथरी की ठााम पंचायत भींडा, रेंटा, रागेला, करावाडा, गैंजी, करावाडा, गंधवा, लाडसौर, चारवाडा, झौंथरी और पोहरी खातुरात, पंचायत समिति डुंगरपुर की ठााम पंचायत गडा मौरेया, पगारा, पाल गामडी, खेडा आसपुर, रायकी और भेवडी, पंचायत समिति साबला की ठााम पंचायत भाडगा, तालोरा, टेकला, सागोट, नांदली सागोरा, रिंछा, साबला, पिण्डावल, भाटोली और वणवासा में तालाब सफाई अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय
शिक्षा मंत्रालय
प्रवेश सूचना : 2025-26
पत्राचार माध्यम से हिंदी सीखें

हिंदी पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित है।
शुल्कः ऑनलाइन डिजिटल मोड/आई.पी.ओ / बैंक ड्राफ्ट द्वारा

पाठ्यक्रम	शुल्क	
	भारतीय मुद्रा में	विदेशी मुद्रा में
सर्टिफिकेट / डिप्लोमा	रुपये 50/-	$ 50 या समतुल्य
एडवांस डिप्लोमा	रुपये 200/-	$ 2000 या समतुल्य

- शुल्क राशि निदेशक केंद्रीय हिंदी निदेशालय को देय है।
- **आवेदन प्रक्रिया** : विस्तृत विवरण के लिए www.chd.education.gov.in वेबसाइट पर लॉग ऑन करें।
- अधिक जानकारी के लिए कृपया ccchdadmission@gmail.com ई-मेल करें।
- आवेदन की अंतिम तिथि-31/07/25

CBC 21252/11/0001/2526

भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
छात्रवृत्ति अनुभाग

चयन वर्ष 2024-25 के लिए अनुसूचित जनजाति के उ
हेतु राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना (एनओ

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार चयन वर्ष 2025-26 के लि
जनजाति के उम्मीदवारों से राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति योजना (एनअ
ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है। विदेश में मास्टर स्तर, पीएचडी
डॉक्टोरल अनुसंधान कार्यक्रमों में उच्च अध्ययन करने के लिए चुने
छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
छात्रवृत्ति के लिए स्लॉटों की संख्या: 20
इच्छुक उम्मीदवार एनओएस पोर्टल https://overseas.tribal.gov.in/
ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने के लिए पोर्टल
से 30 जून 2025 (शाम 5:30 बजे तक) खुला रहेगा।
अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार मंत्रालय के पोर्टल पर जा सकते
overseas.tribal.gov.in/

CBC 43101/11/0007/2526

25 हजार रूपये की रिश्वत लेते चेचट तहसीलदार व होमगार्ड गिरफ्तार

क्रय की गई तीन बीघा भूमि को औद्योगिक भूमि में कनर्वजन के लिये रिश्वत मांगी थी

रामगंजमण्डी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की स्पेशल यूनिट ने कोटा जिले के चेचट में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए चेचट के तहसीलदार व होमगार्ड को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तर किया है। यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय, जयपुर के निर्देश पर कोटा एसीबी स्पेशल यूनिट द्वारा की गई।

एसीबी की स्पेशल यूनिट टीम ने परिवादी से मिली शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए चेचट के तहसीलदार भरत कुमार यादव व होमगार्ड दिनेश कुमार को परिवादी से 25 हजार रूपये नगद रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा स्पेशल यूनिट को परिवादी ने एक लिखित शिकायत दी, शिकायत में परिवादी ने कहा कि उसके द्वारा क्रय की गई तीन बीघा भूमि को औद्योगिक भूमि में कनर्वजन और समर्पण करवाने के लिए एक प्रार्थना पत्र तहसीलदार कार्यालय चेचट व एसडीएम कार्यालय रामंगजमंडी में ऑनलाइन अप्लाई किया था, जो कई दिनों से पैंण्डिग रखकर तहसीलदार चेचट द्वारा रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा था। जिस पर एसीबी रेंज कोटा के उप महानिरीक्षक शिवराज मीणा के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा के निर्देशन में पृथ्वीराज मीणा पुलिस निरीक्षक द्वारा शिकायत का सत्यापन करवाया गया। शिकायत के सत्यापन के दौरान चेचट तहसीलदार भरत कुमार यादव द्वारा भूमि कनर्वजन/नामान्तरण करण करने के लिए 25 हजार रूपये की मांग कर अपने होमगार्ड दिनेश को देने हेतु कहने की पुष्टि होने पर ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया गया।

कार्रवाई में तहसीलदार के कहने पर होमगार्ड दिनेश कुमार द्वारा तहसीलदार के लिए 25 हजार रूपये परिवादी से लेने पर एसीबी टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए तहसीलदार भरत यादव व होमगार्ड दिनेश कुमार को 25 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों डिटेन कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है।

तहसीलदार चेचट भरत कुमार यादव व होमगार्ड दिनेश कुमार।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म किया

बीकानेर, (निसं)। युवक ने एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। उसे और उसकी मौसेरी बहन को नागौर दोस्तों के पास भेज दिया जहां उन्होंने होटल में रखकर छेड़छाड़ की। पुलिस ने जांच में आरोप प्रमाणित माने और तीन आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। दुष्कर्म का मुख्य आरोपी जेल में है।

जानकारी के अनुसार 6 मार्च को दो युवतियों की ओर से सदर पुलिस थाने में दुष्कर्म और छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया गया था। आरोप लगाया कि मोहम्मद अयूब ने एक युवती को शादी को झांसा दिया और उससे दुष्कर्म किया। उसे बहला फुसलाकर शादी के लिए नागौर जाने के लिए कहा। युवती और उसकी मौसेरी बहन को बीकानेर रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठा दिया। नागौर में आरोपी के दोस्त समीर और जाहिर ने दोनों युवतियों को एक गेस्ट हाउस में ठहराया। आरोपी ने एक दिन बाद नागौर पहुंचने का झांसा दिया था। आरोपी के दोस्तों ने दोनों युवतियों के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

कार्यालय नगर परिषद् ब्यावर
Tel.No. 01462-258665 Email Add:- npbeawar@gmail.com

क्रमांक /नपब्या/रोषनी /2025–26/1368 दिनांक – 08.05.2025

ई दर संविदा सूचना

निम्नाकिंत विवरण के अनुसार ई दर संविदा हेतु ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 26.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक ई दर संविदाऐ आमंत्रित है। दिनांक 26.05.2025 को सांय 3.00 बजे ई दर संविदा खोली जाऐगी। विस्तर्त शर्तें ई दर संविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्रं. सं.	सेवा का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	ई दर संविदा फार्म शुल्क	ई दर संविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1.	नगर परिषद ब्यावर क्षेत्र हेतु विभिन्न पर्व, त्यौहार, मेले के अवसरों पर अस्थाई लाईट डेकोरेशन कार्य की ई दर संविदा	42.00 लाख	84,000/–	1000/–	500

NIB - DLB2526A1200
UBN - DLB2526SLRC 4412
राज.संवाद/सी/25/2173

प्रशासक नगर परिषद् ब्यावर
आयुक्त नगर परिषद् ब्यावर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/31 - 33 Date : 09/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 08/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 448.73 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	12.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 23.05.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	12.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 23.05.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	26.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00049 To ITU2526WSOB00058
राज.संवाद/सी/25/2155
अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

सड़क हादसे भाभी की मौत, देवर व एक अन्य गंभीर घायल

मालपुरा, (निसं)। जयपुर–भीलवाड़ा स्टेट हाइवे पर डिग्गी थाना क्षैत्र मे मंगलवार को हुये सड़क हादसे मे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार भाभी की मौत हो गई वहीं देवर व एक अन्य गंभीर घायल हो गये। गंभीर घायल देवर को जयपुर रैफर किया।

मामले के अनुसार पचेवर थाना क्षैत्र के किरावल गांव निवासी 55 वर्षिय महिला जमना देवी पत्नी राधेश्याम शर्मा जो कि अपने देवर कालू पुत्र रामगोपाल व परिवार के ही सदस्य ओमप्रकाश पुत्र श्योनारायण शर्मा के साथ मोटरसाइकिल से धोलीखेडा निवासी कालूराम पुत्र रामेश्वर व्यास के यहां आयोजित मुण्डन संस्कार कार्यक्रम में जा रहे थे। पेट्रोल पम्प के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला जमना देवी सहित दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची डिग्गी थाना पुलिस ने तीनों गंभीर घायलों को डिग्गी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सको ने स्वास्थ्य परीक्षण कर जमना को मृत घोषित कर दिया तो गंभीर घायल कालूराम को जयपुर रैफर किया। तो तीसरे घायल ओमप्रकाश का डिग्गी अस्पताल में उपचार जारी है। सूचना पर डिग्गी अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं का परिणाम जारी

- अजमेर रीजन का 10वीं का 95.44 प्रतिशत, 12वीं का 90.40 प्रतिशत परिणाम रहा

अजमेर, (कासं)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। अजमेर रीजन का 10वीं का परिणाम 95.44 प्रतिशत रहा, जो देश के 16 रीजन में छठें स्थान पर रहा है, जबकि 12वीं का परीक्षा परिणाम 90.40 प्रतिशत रहा, जो देश में 16 रीजन में से 10वें स्थान पर है। बोर्ड ने इस बार री इवैल्यूएशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। गौरतलब है कि अजमेर रीजन से 12वीं में 1.25 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जबकि 10वीं में सवा लाख परीक्षार्थी बैठे, अजमेर रीजन में राजस्थान के साथ गुजरात स्टेट शामिल है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस साल अजमेर रीजन में 90.40 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। इस साल भी अजमेर रीजन देशभर में 10वें नंबर पर है। हालांकि रिजल्ट में पिछले साल के मुकाबले 0.87 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अजमेर रीजन में 1 लाख 22 हजार 772 में से 1 लाख 22 हजार 243 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें से एक लाख 10 हजार 508 पास हुए, जोकि 90.40 प्रतिशत है। अजमेर रीजन में छात्र का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.31 और छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.30 हैं। अजमेर रीजन में राजस्थान के साथ गुजरात स्टेट शामिल है। अजमेर निवासी रेहान खान ने 12वीं कॉमर्स में 98.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। रिहान अजमेर के केंद्रीय विद्यालय प्रथम के छात्र हैं। रिहान के पिता फिरोज खान कैटरिंग का काम करते हैं। अजमेर के किशनगढ़ में रहने वाली इशिका गोयल ने 12वीं कॉमर्स में 96.8 प्रतिशत मार्क्स हासिल किए हैं। इशिका एमएसएस पब्लिक स्कूल किशनगढ़ में पढ़ाई कर चुकी हैं। अजमेर जिले के किशनगढ़ में रहने वाली विभूति मेहता 12वीं कॉमर्स में 95.4 प्रतिशत मार्क्स हासिल किए हैं। विभूति मयूर स्कूल की छात्रा है। अजमेर के दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में पढ? वाली 12वीं आर्ट्स की छात्रा जास्मिन कुमावत के 98 प्रतिशत हासिल किए हैं। अजमेर की दिल्ली पब्लिक स्कूल में 12वीं क्लास में पढ? वाले शिवांश पटवा ने आर्ट्स में 98 प्रतिशत हासिल किए हैं।

अजमेर रीजन 10वीं का परिणाम 95.44 प्रतिशत : सीबीएसई 10वीं की परीक्षा परिणाम भी जारी कर दिया है। 10वीं में अजमेर रीजन का परिणाम 95.44 प्रतिशत रहा। अजमेर रीजन में 1 लाख 41 हजार 832 में से 1 लाख 41 हजार 523 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें से एक लाख 35 हजार 65 पास हुए। अजमेर रीजन में उत्तीर्ण गर्ल्स का प्रतिशत 96.44 रहा, जबकि बॉएज का पासिंग प्रतिशत 94.72 रहा। अजमेर के सेंट एंस्लम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं के छात्र अभिनव बेडवाल ने 96.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। अभिनव के परिवार में खुशी का माहौल है। रिश्तेदार अभिनव को पास होने की बधाई दे रहे हैं।

कार्यालय नगरपालिका बाली (पाली) राज.
Tel.- (02938) 222045 E-mail : municpalboardbali@yahoo.in

क्रमांक : न.पा.बा./2025–26/335 दिनांक : 09.05.2025

-:: Notice Inviting Bid MB-03/2025-26::-

Bid for works (28 Nos 488.63 lacs) of subject matters of procurement are invited from interested bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in) or https://eproc.rajasthan.gov.in/) of the state departmental website.

S.NO	Work Name	UBN NO.
1	Construction interlocking block in ADJ Court.	DLB2526WSOB04328
2	Construction RCC HALL OF SATASANG bhavan at ramdev mandir top khana bas.	DLB2526WSOB04329
3	Construction of C.C road IN BAYOSA MATA JI MANDIR TO JAGDISH VARMA JI HOME IN WARD NO. 10	DLB2526WSOB04330
4	Construction of C.C road & drain IN magilal ji house se ramlal ji ghar tak ward no 12	DLB2526WSOB04331
5	Construction of C.C road IN mandanlal ji house to rajendra singh ji home & various place ward no. 04.	DLB2526WSOB04332
6	Construction of Safety wall near adarsh bal niketan school bali.	DLB2526WSOB04333
7	Construction of C.C road bera rupji vala ward no 25.	DLB2526WSOB04334
8	Construction of C.C road samudayak chochalay se laduram jogi ghar tak puran kerapura road ward no 25.	DLB2526WSOB04335
9	Construction of C.C road IN jain padi mandir ward no.11.	DLB2526WSOB04336
10	Construction of C.C road & drain bera badlawa road se dhani road tak ward no 04	DLB2526WSOB04337
11	Construction of hall in goswami samaj samshan.	DLB2526WSOB04338
12	Construction of nalla from aai mata school towards government school in w.no-16.	DLB2526WSOB04339
13	Construction of drain ,paver block infront of LIC office on main road.	DLB2526WSOB04340
14	Construction of Bitumen road and drain in kanji nagar in w.no 24	DLB2526WSOB04341
15	Construction of bus stop in tin set (Steel)	DLB2526WSOB04342
16	Construction of C.C road & drain works amba mata temple to gomaram various place.	DLB2526WSOB04343
17	indarraj ji bhandari adv, ki gali c.c road and drain ward no. 04	DLB2526WSOB04344
18	Construction of C.C road In ghisulal foji ka bera daknava ward 03	DLB2526WSOB04345
19	Construction of room and hall in muncipal board office	DLB2526WSOB04347
20	Construction of C.C road IN radawa bayosa mandir vali gali ward no. 22	DLB2526WSOB04348
21	Construction of boundary wall repairing in various palce bali	DLB2526WSOB04349
22	Construction of repairing in nala of girls school bali & near high sec. school.	DLB2526WSOB04350
23	Construction of repairing in nalla of various place in bali.	DLB2526WSOB04351
24	Construction of nalla near rajawat parks ward no 08	DLB2526WSOB04352
25	Construction of C.C road In radawa main road falna sadari road ward no 21	DLB2526WSOB04353
26	Construction of c.c road in madanlal house to sugno devi house tak	DLB2526WSOB04354
27	Construction of C.C road IN ARC IN 1 TO 25 WARDS.	DLB2526WSOB04355
28	Construction of DRAIN WORKS IN ARC IN 1 TO 25 WARDS.	DLB2526WSOB04356

राज.संवाद/सी/25/2133
अधिशाषी अधिकारी

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में वातानुकूलन यंत्र (ए.सी.) हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिनके यूबीएन GSU2526GSOB00010 हैं। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/2159
वित्त नियंत्रक

Rajasthan Financial Services Delivery Limited
3rd Floor, REIL House, Shiprapath, Mansarovar, Jaipur - 302020
File No. F.1(21)/RFSDL/2025 Date : 19/03/2024

NOTICE INVITING BIDS (NIB-02/2025-26)

Bids for Rate Contract/ Empanelment for Procurement of multiple Service Packages by RFSDL are invited from interested bidders up to 06.00 PM on dated 23.06.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in and RFSDL website https://rfsdl.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is INR 50 Crores. The multiple packages include :

Subject matter of procurement	Value of procurement
(a) Empanelment of CA Firms for providing services related to Accounting, Taxation and Finance related services. UBN : FGT2526SLRC00003	INR 5 Crores
(b) Empanelment of Law Firms for providing Legal Services. UBN : FGT2526SLRC00004	INR 5 Crores
(c) Empanelment of Consultancy Firms(Tier-I). UBN : FGT2526SLRC00005	INR 25 Crores
(d) Empanelment for providing Transaction Advisory service. UBN : FGT2526SLRC00006	INR 10 Crores
(e) Empanelment for Fund Management. UBN : FGT2526SLRC00007	INR 5 Crores

Executive Director (Adm.)
Rajasthan Financial Services Delivery Limited
Raj.Samwad/C/25/2169

कार्यालय-सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय, करौली

क्रमांक : रामेरिसो/निविदा/2025–26/393 दिनांक : 5.5.25

ई-निविदा सूचना संख्या 20 एवं 21 / 2025-26

कार्यालय सामान्य चिकित्सालय करौली में उपयोग हेतु सर्विस प्रदाता एजेंसी से वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मुहरबंद ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें, स्पेसिफिकेशन, विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र एवं संबंधित दस्तावेज वेबसाइट eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखें एवं प्राप्त किये जा सकेंगे।

निविदा संख्या	सामान/कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा जमा कराने अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
20/2025–26	हैल्पर सफाईकर्मी, आदि (UBN-MHS2526 SLOB00776)	83.00	1000	15.5.2025 3.00 P.M.	15.5.2025 4.30 P.M.	16.5.2025 12.00 P.M.
21/2025–26	सुरक्षा गॉर्ड, स्वास्थ्य मार्ग दर्शक, कम्प्यूटर ऑपरेटर्स मशीन विद मैन, फार्मासिस्ट, ब्लड बैंक काउन्सलर, इलेक्ट्रीशियन, वाहन चालक एवं प्लम्बर आदि (UBN-MHS2526 SLOB00777)	80.25	1000	15.5.2025 3.00 P.M.	15.5.2025 4.30 P.M.	16.5.2025 12.00 P.M.

नोट :– उक्त निविदा दिनांकों में यदि कोई राजकीय अवकाश/अन्य अवकाश, आकस्मिक रूप से घोषित होता हैं तो उक्त दिवस से संबंधित निविदा कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पन्न की जायेगी।

सदस्य सचिव एवं प्रमुख-चिकित्सा अधिकारी
सामान्य चिकित्सालय, करौली
DIPR/C/6048/2025

कार्यालय नगरपरिषद करौली (राज0)
Phone no. 07464-294024 Email id np.karauli@yahoo.com

क्रमांक: 440 दिनांक: 12.05.2025

ई – निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद क्षेत्र करौली में लगी समस्त एलईडी स्ट्रीट लाईटों के रिपयेरिंग एवं मेंटीनेंस का कार्य (मय सामान) कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई–टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.raj.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में लगी समस्त एलईडी स्ट्रीट लाईटों के रिपयेरिंग एवं मेंटीनेंस का कार्य (मय सामान)
निविदा की लागत	25.22 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने/डाउनलोड की तारीख	13.05.2025 समय 2:00 पीएम से 26.05.2025 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	26.05.2025 समय 6:00 पीएम तक
भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	27.05.2025 समय 01:00 पीएम तक
ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर तकनीकी बिड की खोलने की तिथि	27.05.2025 समय 03:30 (दोपहर)
निविदा शुल्क	1000/– रूपयें (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/–रूपये (MDRISLJAIPUR के नाम से जरिये डी0डी0)
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	12 माह
UBN.-	DLB2526WSRC04415

सभापति नगरपरिषद, करौली
आयुक्त नगरपरिषद, करौली
राज.संवाद/सी/25/2175

बजरी से भरे दो ट्रेलरों में भिड़ंत, एक घायल

राष्ट्रीय राजमार्ग पर भिड़ंत होने के बाद एक ट्रेलर क्षतिग्रस्त हो गया।

निवाई/ गुंसी, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सोमवार की रात मूंडिया गांव के नजदीक बजरी से भरे दो ट्रेलरों की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक जना गंभीर रूप से घायल हो गया।

सदर थाना ड्यूटी प्रभारी रूपसिंह गुर्जर ने बताया कि सोमवार को बजरी से भरे दो ट्रेलर साथ साथ जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रात में मूंडिया गांव के समीप आगे चल रहे ट्रेलर में तकनीकी खराबी आ गई। इसी खराबी के चलते ट्रेलर सड़क मार्ग पर ही अचानक थम गया।

इसी के ठीक पीछे चल रहे ट्रेलर चालक को संभलने का मौका नहीं मिला और वो आगे वाले ट्रेलर से जा भिड़ा। इस भिड़ंत से पीछे के ट्रेलर में सवार रतन लाल पुत्र बजरंग लाल निवासी ढाणी कल्याणपुरा थाना दूनी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी

- पुलिस ने एम्बुलेंस से घायल को निवाई चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद टोंक रेफर कर दिया

मिलने पर सदर एवं गुंसी चौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद ट्रेलर में फंसे घायल को बाहर निकाला। इसी दौरान हाइवे पेट्रोलिंग टीम एवं एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस ने एम्बुलेंस से घायल को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे टोंक रेफर कर दिया गया।

पैंथर के बच्चे की मौत

निवाई, (निसं)। गांव बहड़ के पास सड़क पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैंथर के बच्चे मौत हो गई। बरोनी थानाधिकारी ब्रजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि सोमवार की रात सूचना मिली कि गांव बहड़ के पास सड़क पर किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से पैंथर के 7–8 माह के एक बच्चे की मौत हो गई। जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पैंथर के मृत बच्चे को अग्रिम कार्रवाई हेतु कब्जे में लिया।

होटल नाज़ अग्निकांड : होटल संचालक व मैनेजर गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। शहर के डिग्गी चौक स्थित होटल नाज में गत एक मई को हुए भीषण अग्निकांड मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए होटल संचालक और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। जांच में होटल में सुरक्षा मानकों में खामियां पाई गई थी, जिस पर प्रशासन और होटल व्यवसायियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए थे।

- हादसे की जांच में सुरक्षा मानकों में खामियां पाई थी
- हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई थी

पुलिस ने होटल संचालक व मैनेजर को गिरफ्तार किया।

थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि दिल्ली निवासी रेहाना की ओर से क्लॉक टावर थाने में दर्ज मुकदमें में जांच में सामने आया कि होटल नाज में फायर सेफ्टी उपकरण तक मौजूद नहीं थे और न कोई अलार्म सिस्टम और न ही इमरजेंसी एक्जिट की समुचित व्यवस्था। यह हादसा होटल संचालक की लापरवाही का नतीजा थी। जिसकी कीमत पांच निर्दोष लोगों की जान से चुकानी पड़ी। पुलिस ने दोनों आरोपियों होटल संचालक राजेंद्र कुमार माली और मैनेजर श्रीकांत पांडे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है, ताकि उनसे पूछताछ में और तथ्य सामने लाए जा सकें।

घटना के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीमें मैदान में उतरी। दरगाह और आसपास के क्षेत्रों में स्थित होटलों की जांच शुरू की गई और फायर सेफ्टी और भवन मानकों की अवहेलना करने वाले होटल संचालकों को नोटिस थमाए गए। इस अग्निकांड ने पूरे अजमेर शहर में होटल इंडस्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी। यह हादसा लापरवाही, नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक सुस्ती का परिणाम था। स्थानीय लोगों और मृतकों के परिजनों ने दोषियों को कड़ी सजा देने और ऐसे होटलों के लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट (द्वितीय चरण)

7,109 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 6301 अनारक्षित | 98 औद्योगिक क्षेत्र

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

253 अनुसूचित जाति/जनजाति | 224 महिला वर्ग | 118 भूतपूर्व सैनिक | 151 बेंचमार्क दिव्यांगता | 62 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक आश्रित

EMD | प्रारम्भ तिथि: 15 मई, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) | अंतिम तिथि : 28 मई, 2025 (सायं 6:00 बजे) | ई-लॉटरी 5 जून, 2025

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

आवेदन हेतु स्कैन करें

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 30/04/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस स्कीम में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

भूखण्ड की राशि का भुगतान

25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए http://www.riico.co.in या riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
http://www.riico.co.in • riico.rajasthan.gov.in • riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद/सी/25/2211

प्रदेश सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के पर्याप्त अवसर : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को उनके निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- बजट 2025-26 की समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री, ''प्रत्येक बजटीय घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी बनाएं टाइमलाइन''
- 'वन कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती शीघ्र'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है। शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरतमुख्य संचालकएवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मा योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को श्री अन्न के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया को गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकारिता में अन्वेषण मूल्यों का अधिकाधिक समावेश हो : बागड़े

विश्व संवाद केन्द्र फाउण्डेशन की ओर से आयोजित नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि पत्रकारिता में खोज और अन्वेषण मूल्यों का विकास जरूरी है। उन्होंने इज़राइल के अपने यात्रा संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वहां पत्रकारिता में शोध को पहले पन्ने पर प्रकाशित किया जाता है। पत्रकारिता में यह दृष्टि अपनाई जाए। उन्होंने भारतीय शोध का अधिकाधिक पेटेंट करवाने का भी आव्हान किया।

राज्यपाल मंगलवार को विश्व संवाद केन्द्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौखिक मीडिया की प्रासंगिकता कई बार दूसरे मीडिया से अधिक होती है। महर्षि नारद इसी मीडिया से जुड़े थे। उन्होंने पीओके के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह उस समय की ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने कहा कि पीओके निर्माण का पाप लार्ड माउंटेन बेटेन का था।

उन्होंने कहा कि भारत में बाहरी आक्रांता इसलिए हावी रहे कि हमारे यहां आंतरिक एकता का अभाव था। एक राजा दूसरे राजा की मदद नहीं करता था। उन्होंने कहा कि भारत बदल रहा है। उन्होंने राष्ट्र भक्ति, सावरकर और भारत पाकिस्तान सम्बन्धों की चर्चा करते हुए कहा कि देश प्रेम का जज्बा बदले भारत की सुनहरी तस्वीर है।

राज्यपाल ने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए कहा कि पंडित नेहरू ने उनके दर्शन की विशेष रूप से ''डिस्कवरी ऑफ इंडिया'' में चर्चा की है। अरविंद ने बच्चों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़ें, इसी पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले द्वारा भारत को मानसिक रूप से गुलाम बनाए रखने के लिए अंग्रेजी शिक्षा का प्रसार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति इसी आलोक में लागू की है कि बच्चे भारतीय ज्ञान की परंपरा से जुड़े और उनकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति का परिणाम अभी नहीं आयेगा, दस बीस सालों में दिखेगा। आने वाले समय में देश की बौद्धिक और नैतिक प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि याद रखें जो देश अपना इतिहास भूलते हैं, वे राष्ट्र का भूगोल भी भूलने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि 1150 में भास्कराचार्य ने लीलावती नाम का ग्रन्थ लिखकर बता दिया था कि गुरुत्वाकर्षण के कारण पृथ्वी और आकाश में परस्पर आकर्षण रहता है। इसी शोध को न्यूटन के नाम से हम जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पर विश्वास के लिए अपने आत्म में झांकना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि नारद जयंती पत्रकारिता के मूल्यों से जुड़ी है। नारद जी तीनों लोकों में हर प्रकार की सूचनाओं का आदान प्रदान मौखिक करते थे। यही तब की पत्रकारिता थी। इससे पहले उन्होंने विभिन्न वर्गों में पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि जो पत्रकार सम्मानित हुए हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय हैं।

इससे पहले मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा ऑपरेशन सिंदूर में भारत की नैतिकता की विजय हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की बहुत कुशल और प्रभावी रणनीति की विश्वभर में सराहना हुई है। उन्होंने इस दौरान भारत और पाकिस्तान मीडिया में पत्रकारिता की रही दृष्टि की भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डा. हेमंत सेठिया, चैन सिंह राजपुरोहित ने भी विचार रखे।

सुबोध शिक्षा समिति मामले में दूसरी बार पेश एफआर अस्वीकार

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने सुबोध शिक्षा समिति से जुडे एसीबी केस में दूसरी बार पेश एफआर को अस्वीकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में परिवादी की ओर से उठाए बिंदुओं को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। पीठासीन अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने यह आदेश परिवादी लक्ष्मीकांत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर दिए।

मामले के अनुसार भवानी सहाय, पुलिस निरीक्षक द्वारा प्रारंभिक जांच कर सत्यापन रिपोर्ट पेश की थी। जिसमें कहा गया कि सुबोध शिक्षा समिति के अध्यक्ष नवरतन कोठारी, प्रोफेसर अश्वनी कुमार, एनके लोहिया और प्राचार्य केबी शर्मा ने मिलीभगत कर पदीय कर्तव्यों का दुरुपयोग किया।

इन्होंने चयन समिति के मिनिट्स में कांट छांट कर केबी शर्मा को एसएस सुबोध पीजी कॉलेज के प्राचार्य पद पर नियम विरुद्ध चयनित किया। उस समय केबी शर्मा भौतिक शास्त्र के व्याख्याता पद पर कार्यरत थे। प्राचार्य पद पर चयनित होने के बाद भी भौतिक शास्त्र के व्याख्याता पद का वेतन के रूप में सरकार से 22.64 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त कर आर्थिक हानि पहुंचाई। मामले में 12 अक्टूबर, 2017 को अदालत में तथ्यों की भूल के आधार पर एफआर पेश की गई। जिसे कोर्ट ने अस्वीकार कर अग्रिम जांच के आदेश दिए। वहीं अब फिर से एसीबी ने एफआर पेश कर दी। परिवादी की ओर से इस एफआर का विरोध करते हुए कहा गया कि एसीबी ने कई बिंदुओं पर जांच नहीं की है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एसीबी को जांच के आदेश दिए हैं।

'आचार्यकुलम् में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा'

जयपुर। स्वामी महाराज व आचार्यश्री महाराज द्वारा स्थापित आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में आज हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट का परीक्षाफल शत प्रतिशत आने पर हर्षोल्लास का वातावरण रहा। इस वर्ष हाईस्कूल में अथर्व ने 99.40 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, ध्रुव ने 98 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, सान्या सेजल ने 97.80 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि 97.60 अंकों के साथ सहज चतुर्थ व 97.40 अंको के साथ अंशुमान व कन्हैया कुमार पंचम स्थान पर रहे। कुल मिलाकर सभी 153 विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के साथ ही विद्यालय का औसत 86.30 रहा। 21 विद्यार्थियों ने सभी पाँचों विषयों में-1 ग्रेड प्राप्त किए जबकि 43 विदयार्थियों ने विविध विषयों में शतांक अर्जित किए। 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 25 रही।

इस वर्ष इण्टरमीडिएट के विज्ञान, मानविकी व वाणिज्यवर्ग में प्राप्तांकों का औसत क्रमश: 83.59, 90.64 व 90.85 रहा जबकि क्रमश: सिद्धेश (99), आर्यमन (98.6) तथा रिद्धिमा (98) ने वर्गवार सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर सभी 97 विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के साथ ही विद्यालय का औसत 88.38 रहा। 'सिद्धेश ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। 14 विद्यार्थियों ने सभी पाँचों विषयों में -1 ग्रेड प्राप्त किए जबकि 32 विदयार्थियों ने विविध विषयों में शतांक अर्जित किए।

आचार्यकुलम् प्रबंध समिति की उपाध्यक्षा डॉ.ऋतंभरा शास्त्री बहन सहित प्राचार्या स्वाति मुंशी ने उक्त सुअवसर पर विद्यार्थियों समेत सभी आचार्यों व कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए अपने आशीर्वचन प्रदान किए। इस पावन अवसर पर स्वामी अर्जुनदेव, उपप्राचार्य तापस कुमार बेरा, समन्वयिका दीपाजी व मुख्य छात्रावास अधीक्षक व क्रीड़ाध्यक्ष अमित सहित सभी आचार्यवृंद, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सचिवालय कैंटीन का टेंडर देने पर अंतरिम रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने सचिवालय कर्मचारी संघ के जरिए संचालित सचिवालय कैंटीन का बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए नई फर्म को देने वाले टेंडर पर आगामी सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं मामले में मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव व उप सचिव से 30 मई तक जवाब देने के लिए कहा है।

भाजपा प्रदेशभर में निकालेगी तिरंगा यात्रा : अरूण चतुर्वेदी

तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

- 'जयपुर में 15 मई को अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा'

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा की ओर से पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकियों की कमर तोड़ने का काम किया है। ऐसे में भारतीय सेना के मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय किया है। तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, यह देश का, समाज का हमारी सेना के लिए निकाला जा रहा कार्यक्रम है। इसमें आमजन की भागीदारी रहेगी। तिरंगा यात्रा संभाग स्तर के साथ जिला और फिर विधानसभा क्षेत्रवार भी निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में राजधानी जयपुर में 15 मई को तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। जयपुर में गुरुवार को सुबह 11 बजे अल्बर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा को शुरू किया जाएगा। यात्रा न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ तक जाएगी। तिरंगा यात्रा का बड़ी चौपड़ पर समापन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार प्रदेश स्तरी और संभाग स्तरीय कमेटी बनाई गई है। भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी और युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची को समिति का प्रदेश समन्वयक बनाया गया है।

भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के प्रदेश समन्वयक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि जयपुर के बाद तिरंगा यात्रा प्रदेशभर में निकाली जाएगी। इसके लिए संभाग अनुसार समन्वयक बनाए गए है। इसमे जयपुर में रामलाल शर्मा, विमल अग्रवाल, रघुनाथ नरेडी, प्रेम सिंह बनवासा, उदयपुर संभाग में पिंकेश पोरवाल, दिप्ती माहेश्वरी, पंकज बोराणा, जोधपुर में महेंद्र कुमातव, राजेंद्र बोराणा, नारायण पुरोहित, भरतपुर संभाग में भानुप्रताप सिंह, डीडी कुमावत, भगवान दास शर्मा, बीकानेर संभाग में विजेंद्र पूनिया, विजय आचार्य, महेश व्यास, कोटा संभाग में अनुसूईया गोस्वामी, हेमंत विजयवर्गीय, नरेंद्र नागर और अजमेर में मोतीलाल मीणा, पुखराज पहाडिया और नीरज जैन को संभाग समन्वयक बनाया गया है।

सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों की भर्ती की क्या योजना है : हाईकोर्ट

जयपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आखिरी अवसर देते हुए पूछा है कि प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों के पदों के सृजन और उन पर भर्तियों होने के संबंध में उनकी क्या कार्य योजना है। वहीं अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह आगामी सुनवाई पर उनके निर्देशों की पालना करना सुनिश्चित करे। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश विमल शर्मा की जनहित याचिका पर दिए। खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उन्हें चित्रकला व संगीत कला से वंचित नहीं किया जा सकता, वह भी तब जबकि आरटीई कानून बन चुका है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से आदेश की पालना के लिए समय दिए जाने का आग्रह किया। इस पर अदालत ने कहा कि पांच महीने से ज्यादा समय हो गया है और राज्य सरकार का प्लान आ जाना चाहिए था। ऐसे में अब राज्य सरकार को अदालत के आदेश की पालना के लिए अंतिम मौका दिया जा रहा है। पिछली सुनवाई पर भी अदालत ने कहा था कि जब कला विषय अनिवार्य विषय है तो स्कूलों में कला शिक्षकों की नियुक्ति होनी ही चाहिए। जनहित याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत हर स्कूल में चित्रकला और संगीत कला के विषय को अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद प्रदेश की करीब 70 हजार स्कूलों में कला शिक्षा देने के लिए कोई विशेषज्ञ शिक्षक नियुक्त नहीं किया गया है। स्कूलों में कला विषय पढाने का काम दूसरे विषयों के शिक्षकों को सौंप दिया जाता है। यह शिक्षा सेवा नियम और एनसीटीई के मानकों के भी खिलाफ है। याचिका में कहा गया कि कला शिक्षा बच्चों के रचनात्मक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। योग्य कला शिक्षकों के अभाव में बच्चों के रचनात्मक विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है और इसके अभाव में उनमें मानसिक तनाव और हिंसात्मक प्रवृत्ति बढ़ रही है। याचिका में यह भी बताया गया कि आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार कला अनिवार्य विषय होने के बावजूद इसके लिए न तो कोई पद सृजित किया गया और ना ही कला शिक्षक के रूप में नियुक्ति का प्रावधान है।

पतंजलि संस्थान ने आई.सी.ए.आर. को भेंट की मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन

पतंजलि संस्थान द्वारा आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान को मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन 'धरती का डॉक्टर' उपहार स्वरूप भेंट की गई।

हरिद्वार। पतंजलि संस्थान द्वारा आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान को मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन 'धरती का डॉक्टर' उपहार स्वरूप भेंट की गई। इस मशीन के प्रयोग से न केवल किसानों को अपनी कृषि भूमि की मिट्टी की जांच करने में सहायता मिलेगी, अपितु साथ ही जैविक एवं रासायनिक खेती हेतु आवश्यक उर्वरक प्रयोग के लिए सुझाव भी प्राप्त किए जा सकेंगे।

इस अवसर पर भरूआ एग्री साइंस के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि मृदा परीक्षण मशीन 'धरती का डॉक्टर' को पहले ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रमाणन-पत्र प्रदान किया जा चुका है। इस मशीन के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य के12आवश्यक मानकों का परीक्षण किया जाता है जिसमें मुख्य पोषक तत्व उपलब्ध नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश एवं गौण पोषक तत्व बोरॉन, आयरन, जिंक, कॉपर एवं मैंगनीज सम्मिलित हैं। इस मशीन को भारत सरकार द्वारा पेटेंट तथा-सर्टिफिकेट प्राप्त है। उन्होंने बताया कि इस मशीन को पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा वर्षों के व्यापक शोध के बाद विकसित किया गया है जो किसानों के लिए वरदान है। आचार्य जी ने बताया कि इस मशीन के द्वारा सरल विधियों से फसलानुसार उर्वक संस्तुतियाँ रासायनिक,जैविक एवं मिश्रित तीनों प्रकार से प्राप्त की जा सकती हैं।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि धरती का डॉक्टर देश के किसानों तथा भारत सरकार की मृदा स्वास्थ्य योजना के लिए बड़ी उपयोगी मशीन साबित होगी। उन्होंने कहा कि हमारा स्वास्थ्य धरती के स्वास्थ्य के साथ जुड़ा है। मृदा स्वास्थ्य के लिए12पैरामीटर्स हैं जिनके आधार पर मिट्टी की गुणवत्ता निर्धारित की जाती है। हमारी टीम ने इस मशीन पर गहन परीक्षण किया जिसमें पाया गया कि यह देश की ऐसी पहली मशीन है जिसके द्वारा सभी12पैरामीटर्स की सटीक जाँच की जा सकती है।

इस अवसर पर पतंजलि संस्थान के डॉ. अशोक मेहता ने उपस्थित सभीवैज्ञानिकों का ध्यान पतंजलि संस्थान के द्वारा किसानों के लिए किये जाने वाले निरन्तर प्रयासों की तरफ आकर्षित किया।

माह में चार दिन ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम करे अधिकारी : दिलावर

जयपुर। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को शिक्षा विभाग के अंतर्गत संस्कृत विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में गत वर्ष अक्टूबर माह में आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की गई। शिक्षामंत्री ने सभी अधिकारियों को प्रत्येक माह कम से कम 4 दिन ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए।

शिक्षा मंत्री ने उच्चाधिकारियों को प्रत्येक 15 दिन में फील्ड में जाकर फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए शिक्षा विभाग सम्बंधी एमओयू की प्रगति की समीक्षा की और इनकी तत्परता से क्रियान्विति के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने संस्कृत शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर देते हुए राजकीय संस्कृत संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि जागृत करने के लिए ठोस एवं सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय संस्कृत संस्थानों में नामांकन वृद्धि की दिशा में सार्थक प्रयास करने और इसके लिए रूट मैप तैयार करने तथा राजकीय संस्थानों की मान्यता के नियमों में शिथिलता लाने का सुझाव दिया, आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देते हुए खेल मैदान के विकास, प्रयोगशालाओं में सुविधा सुधार, भवन में स्वच्छता व बालक और बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय पर विशेष जोर दिया।

शिक्षामंत्री ने विभाग के लंबित मामलों पर भी विस्तार से चर्चा कर सभी तरह की शिकायतों का 10 दिन के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने पर्यावरण सुरक्षा के तहत विभाग को चार करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य सौंपा है। उन्होंने कहा कि प्रति विद्यार्थी 300 पौधे प्रति माह और कार्मिकों को 15 पौधे प्रतिदिन लगाना अनिवार्य होगा। इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और स्थानीय एनजीओ के सहयोग से कार्य को गति देने के निर्देश दिए। इस कार्य की क्रियान्विति के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

पाली में फैक्टरी के कमरे में फंदे पर युवक का शव लटका मिला

पाकिस्तान की जेल में 28 माह कैद काटकर एक साल पहले ही वापस आया था युवक गेमराराम

पाली, (नि.सं.)। पाकिस्तान की जेल में 28 महीने कैद काटकर आए एक युवक का शव पाली की एक फैक्टरी में फंदे पर झूलता मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि बाड़मेर जिले के बिजराडा थाना क्षेत्र के कुम्हारों का टीबा निवासी गेमराराम (24) पुत्र जामाराम मेघवाल जो करीब एक साल से जाड़न कस्बे की एक लोहा फैक्टरी में कोयले का काम करता था। वह अपने भाई और रिश्ते में मामा के साथ एक कमरे रहता था। सोमवार दोपहर को उसका शव फैक्टरी के एक सूने कमरे में फंदे पर झूलता हुआ मिला। घटना की जानकारी जब उसके भाई और मामा को लगी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पाली के बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस ने अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई की।

- प्रेम प्रसंग मामले में परिजनों के डर से भागते हुए सरहद पार कर पाकिस्तान चला गया था युवक

मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव को एम्बुलेंस से बाड़मेर के लिए रवाना हो गए। पुलिस पुरे मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार गेमराराम भारत-पाक बॉर्डर से सटे गांव कुम्हारों का टीबा का रहने वाला है। गेमराराम का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 4 नवंबर 2020 की रात वह गर्लफ्रेंड से मिलने उसके घर गया था। तभी प्रेमिका के परिजनों ने उसे देख लिया। यह देखकर गेमराराम घबरा गया। डर के मारे भागते हुए भारत-पाक की सरहद पर बनी तारबंदी पार कर पाकिस्तान चला गया था। जहां पाक रेंजर्स ने उसे अरेस्ट कर लिया था। करीब 28 महीने बाद पाक जेल से यातना झेलने के बाद 14 फरवरी 2023 को गेमराराम की पाकिस्तान से भारत वापसी हुई थी। मृतक के गांव से भारत-पाकिस्तान सीमा दो किलोमीटर से ज्यादा दूर नहीं है। गेमराराम के खिलाफ बाड़मेर के बीजराड़ थाने में जनवरी 2021 में पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। भारत लौटने के बादल गेमरा से भारत में संयुक्त जांच एजेंसियों ने पूछताछ की। उसके बाद उसे बीजराड़ थाना पुलिस को सौंप दिया। बीजराड़ थाना पुलिस ने उसे पॉस्को एक्ट में गिरफ्तार भी किया था। जेल से रिहा होने के बाद वह पहले गुजरात काम करने गया लेकिन वहां मन नहीं लगा तो एक महीने बाद ही वापस आ गया और करीब एक साल पहले पाली के जाडन के निकट स्थित लोहे की फैक्टरी में मजदूरी पर लगा था।

सूने मकान का ताला तोड़ नगदी व जेवर चुराये

किशनगढ़ बास, (निसं)। नगर पालिका वार्ड नौ के रैणी मौहल्ला स्थित कंपाउंडर दिनेश सोनी के मकान से अज्ञात चोर दरवाजा व खिड़की तोड़कर घर के अंदर रखे चांदी के जेवर व करीब एक लाख रुपए नगद चोरी कर ले गए। पिछले तीन दिन से परिवार घूमने के लिए बाहर गया हुआ था। बंद मकान में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

- पिछले तीन दिन से परिवार घूमने के लिए बाहर गया हुआ था

पुलिस ने छत पर मौका देख मकान मालिक से जानकारी ली।

किशनगढ़ बास राजकीय सामुदायिक अस्पताल में सेवाएं दे रहे कंपाउंडर दिनेश सोनी ने बताया कि वह तीन-चार दिनों से पत्नी व बच्चों के साथ घूमने के लिए गया हुआ था। मकान पर कोई नहीं था। मंगलवार को वापस घर पहुंचे तो मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। ताला खोलकर मकान के अंदर प्रवेश किया तो पीछे का दरवाजा खुला था। कमरे के दरवाजे खुले पड़े थे, सामान फैला हुआ मिला। चोरी की खबर सुनकर पड़ोसी व समाज के लोग घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर मौका स्थिति को देखा और परिवार से जानकारी ली। कंपाउंडर दिनेश सोनी ने पुलिस को बताया कि करीब एक किलो चांदी के जेवर व लगभग एक लाख रुपए नगद चोरी हुए हैं। पुलिस ने आसपास केमरे देखने चाहे पर कहीं पर भी कैमरा लगा हुआ नहीं मिला। दिनेश सोनी ने बताया कि बाहर जाने से पहले वह सोने के जेवर सुरक्षित स्थान पर रख गए थे जो चोरी होने से बच गए। चोरी की खबर पता लगने पर सरपंच जनेश भूटानी, संदीप वलेचा, हीरू हरवानी, हरीश सोनी, सहित पड़ोसी एवं समाज के लोग पहुंचे और पुलिस से अज्ञात चोरों को पकड़ने की मांग की।

प्रभारी मंत्री के. के. विश्नोई ने जालोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया

जालोर, (कासं)। जिले के प्रभारी मंत्री के. के. विश्नोई ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे जालोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया। प्रभारी मंत्री ने सरवाना, खेजडियाली व वेडिया गांवों का दौरा किया तथा ग्रामीणों से मुलाकात कर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीमा पर हुए तनावपूर्ण माहौल का देश के जांबाज सैनिकों द्वारा पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे मिशन की मॉनिटरिंग की जा रही है एवं देश के तीनों सेनाओं द्वारा देश हित में पाकिस्तान के आतंकियों का सफाया किया जा रहा हैं।

- भारतीय सेना ने आतंकियों को मुंह तोड़ जवाब दिया : के.के. विश्नोई

प्रभारी मंत्री के .के .विश्नोई ने जालोर जिले के निकट सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा कर जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि बॉर्डर के इलाकों में होने वाले असामान्य गतिविधियों पर नजर बनाए रखें एवं किसी भी प्रकार का संदेह होने पर निकटतम पुलिस थाना या प्रशासन को सूचना दें। प्रभारी मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नाहरसिंह जोधा ने कहा कि वर्तमान में देश की सीमा पर शांति है, लेकिन अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तो उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा।

जसराज राजपुरोहित ने कहा कि सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोग अपने आसपास रहने वाले बाहरी लोगों का स्थानीय थाने में वेरिफिकेशन करवाएं एवं किसी भी व्यक्ति पर संदेह हो तो उसकी सूचना पुलिस को देवें। पूर्व सांसद देवजी पटेल ने कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में है एवं देश की सेना आधुनिक संसाधन से युक्त है। मेड इन इंडिया के हथियारों को पूरे विश्व ने देखा है। भारत किसी भी मोर्चे पर पीछे हटने वाला नहीं। पाकिस्तान द्वारा ड्रोन से भारत पर हमला करने की कोशिश की लेकिन सभी ड्रोन को भारत सेना द्वारा नष्ट कर दिया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सांचौर दौलतराम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

61.62 लाख रूपये का अवार्ड पारित

तारानगर, (निसं)। तारानगर न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना के विभिन्न मामलों में ब्याज सहित कुल 61.62 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया है।

अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 24 जुलाई 2016 को सरदारशहर के मेहरी निवासी शोकत अली खां ने भालेरी थाने में इस आशय की पेश की कि उसका भतीजा इस्लाम खां परिवार सहित राजपुरा गया हुआ था। वहां से वापिस रवाना होकर अपनी बोलेरो गाड़ी से सायं पांच बजे भालेरी पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तो सामने भालेरी की तरफ से आ रही बोलेरो कैम्पर के चालक रमेश निवासी चरखी दादरी ने अपनी बोलेरो को तेज गति व लापरवाही से चलाकर इस्लाम की बोलेरो को टक्कर मारी, जिससे बोलेरो में सवार इस्लाम, जन्नत बानो, बच्ची रुकसार की मौके पर मौत हो गई तथा रमेश की गाड़ी में नरेश पुत्र सतवीर निवासी सोरड़ जींद तथा राजवीर उर्फ भोलाराम पुत्र रूपचन्द जो रमेश की गाड़ी में सवार थे, उनकी भी मौत हो गई तथा चालक रमेश की भी उक्त दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने अनुसंधान कर न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट तारानगर में चालान पेश किया।

अवैध बांग्लादेशी दंपती अजमेर से डिटेन, अब तक 31 पकड़े

स्पेशल टास्क फोर्स का अभियान जारी, संदिग्ध नेटवर्क की हो रही जांच

अजमेर, (कासं)। अजमेर में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी दंपती को डिटेन किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में अब तक 31 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। जिनमें से चार को गंज थाना पुलिस टीम की सहायता से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण राम के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने रबीउल इस्लाम और उसकी पत्नी हलीमा खातून को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों बांग्लादेश के मदारपुरा पोस्ट गोदावरी जिला राजशाही के निवासी हैं। लगभग दस साल पहले दोनों अवैध रूप से भारत में घुसे थे और अलग-अलग शहरों में पहचान छुपाकर रहने के बाद अब अजमेर में खानाबदोश के रूप में रह रहे थे। पुलिस इन दोनों के नेटवर्क, संपर्क सूत्रों और यहां किसके माध्यम से पहुंचे, इसकी गहराई से जांच कर रही है। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिये भारत में प्रवेश कर बसने की घटनाएं सामने आई हैं जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर है।

स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी दंपती को डिटेन किया।

बारहवीं सीबीएसई एग्जाम का पणिाम जारी, अभिभावकों में खुशी

सीबीएसई 12वीं में बीकानेर में एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की बेटी देबांशी के 499 अंक आये

बीकानेर, (निसं)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 10वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया है। अच्छे अंक लाने वाले बच्चों के अभिभावकों के चेहरों पर भी खुशी साफ दिखाई दी। जबकि अच्छे रिजल्ट देने वाले स्कूल संचालकों ने भी अपने स्टूडेंट्स का मुंह मीठा करवाया। जैन पब्लिक स्कूल की छात्रा युद्धिका ने बारहवीं आर्ट्स में 98.8 परसेंट मार्क्स प्राप्त किए हैं। उसने पेंटिंग और आईटी में सौ में सौ मार्क्स लिए, जबकि इंग्लिश में 99 मार्क्स प्राप्त किए। बीकानेर में एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की बेटी देबांशी शेखावत ने प्रदेशभर में बारहवीं सीबीएसई एग्जाम में टॉपर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। देबांशी के 499 अंक आये।

आर्टस स्टूडेंट देबांशी भविष्य में पिता की तरह विधि क्षेत्र में ही अपना भविष्य देखती है। बीकानेर के जैन पब्लिक स्कूल की युक्ति बजाज ने दो विषयों पॉलिटिकल साइंस और जीओग्राफी में सौ में सौ अंक प्राप्त किए हैं। उसने 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। युक्ति के पांच सौ में से 495 मार्क्स है। बीकानेर की भव्या राजवी ने बारहवीं आर्ट्स में दो विषयों में सौ में से सौ अंक प्राप्त किए। उसके पॉलिटिकल साइंस और हिंदुस्तानी म्युजिक में ये मार्क्स रहे। हिस्ट्री में सौ में से 99 अंक रहे। वो महारानी किशोरी देवी सीनियर सैकंडरी स्कूल की स्टूडेंट है। बीकानेर के जैन पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली तृप्ति मिश्रा ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

तृप्ति ने पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री और जीआग्राफी विषय में बारहवीं का एग्जाम दिया था। बीकानेर के आरएसवी स्कूल के स्टूडेंट मोहम्मद अयान ने 98 परसेंट अंक प्राप्त किए हैं। अयान के जीओग्राफी में सौ में से सौ अंक है।

कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लगी

मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग पर काबू पाया।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर कोतवाली थाना इलाके के मछली मोहल्ला में एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। गोदाम मालिक के मुताबिक उसका करीब 50 हजार का नुकसान हुआ है। गोदाम के पास एक ट्रांसफर था, जिसमें से चिंगारी निकलकर गोदाम में जा गिरी, जिसके बाद गोदाम में आग लग गई। आग लगने के कारण आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया।

कबाड़ गोदाम के मालिक बंगाली ने बताया कि उसका गोदाम मछली मोहल्ला के अंदर स्थित स्थित है। दुकान के पास एक ट्रांसफार्मर है। ट्रांसफार्मर से जा रहे बिजली के तार उसके गोदाम के ऊपर से जाते हैं। बिजली के तारों पर सुबह के समय कुछ बंदर कूद रहे थे। जिसके कारण बिजली के तारों से चिंगारी निकल रही थी। बिजली के तारों से निकली चिंगारी अचानक गोदाम में जा गिरी, जिससे गोदाम में रखी प्लास्टिक ने आग पकड़ ली। धीरे-धीरे पूरे गोदाम में रखे सामान ने आग पकड़ ली। गोदाम से धुंआ निकलने लगा। धुंआ निकलता देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए, जिसके बाद गोदाम के मालिक को घटना की सूचना दी गई। गोदाम का मालिक मौके पर पहुंचा और, दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया जा सका।

- बिजली के तारों से निकली चिंगारी गोदाम में गिरने से हादसा हुआ

भारत-पाक तनाव के कारण स्थगित एग्जाम अब स्कूल स्तर पर होंगे

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते सीमावर्ती जिलों में स्थगित एग्जाम अब स्कूल स्तर पर ही पेपर बनाकर लेने होंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने इस संबंध में मंगलवार सुबह आदेश जारी किया है, जिस जिले में स्कूल जिस दिन शुरू होंगे, उसके ठीक दो दिन बाद एग्जाम होना हैं। क्लास 9 और 11 के चार पेपर अब तक शेष हैं।

निदेशक की ओर से जारी आदेश अनुसार स्थगित परीक्षाओं से संबंधित विषय के प्रश्न पत्रों को मॉडल पेपर के रूप में वितरित किया जाएगा। इसके बाद स्कूल अपने स्तर पर पेपर तैयार करवाकर एग्जाम लेगा। जिन जिलों में स्कूल मंगलवार से शुरू हो गए हैं, वहां गुरुवार से वंचित रहे विषयों के एग्जाम फिर से होंगे। वहीं जिन जिलों में स्कूल बुधवार से शुरू होंगे, वहां शुक्रवार से एग्जाम होंगे। ये पेपर दो पारी में लिए जाने हैं। स्कूल अपनी सुविधा के अनुसार भी पेपर करवा सकता है।

पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर में स्कूल शुरू हो चुके हैं। वहीं जैसलमेर में स्कूल अब तक शुरू नहीं हुए हैं। ऐसे में जैसलमेर के अलावा सभी जिलों में गुरुवार से एग्जाम फिर से शुरू होंगे और जैसलमेर में शुक्रवार से एग्जाम पुन: होंगे। दरअसल ये पहला मौका है जब 9 और 11 के पेपर पूरे राज्य में एक समान हो रहे थे। एक ही पेपर से राज्य के सभी जिलों में परीक्षा शुरू तो हुई लेकिन भारत-पाक तनाव के कारण ये सिलसिला सीमावर्ती जिलों में टूट गया। अब फिर से पेपर प्रकाशित करवाकर वितरण करने के बजाय स्कूल स्तर पर ही एग्जाम का निर्णय किया गया है।

कारखाना लगाने के नाम पर धोखाधड़ी की

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना कस्बे में चूड़ी का कारखाना लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की ओर से पार्टनरशिप में काम करने के नाम पर 10.50 लाख रुपए हड़प लेने का मामला दर्ज कराया है।

थानाधिकारी रामसिंह यादव ने बताया कि सिंघाना कस्बे के वार्ड 14 निवासी अजय कुमार महाजन ने रिपोर्ट दी कि उसके मौहल्ले का ही संजय सोनी चूड़े बनाने का काम करता है। वह जून 2024 में उसके पास आया तथा चूडी बनाने का कारखाना लगाने की बात कही। इस दौरान उसने रूपए कम होने पर पार्टनरशिप करने के लिए साझेदारी में रूपए लगाने के लिए 15 लाख रुपए देने के लिए कहा। 30 जूलाई 2024 को आरोपी ने उससे 10.50 लाख रुपए ले लिए तथा जल्द कारखाना लगाकर होने वाले मुनाफे आधा हिस्सा देने की बात कही। इस दौरान जब परिवादी ने 28 अप्रैल 2025 को दिए गए रूपये का हिसाब करने के लिए कहा तो वह टालमटोल करने लगा। जब उससे रूपए वापस मांगे तो उसने रूपए देने से मना कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि परिवादी की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

महिला अध्यापिका के दुर्व्यवहार से आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया

निवाई, (निसं)। गांव कैरोद के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्टाफ के आपसी विवाद एवं कार्यरत एक महिला अध्यापिका द्वारा बच्चों से दुर्व्यवहार व अपमानित करने से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को विद्यालय के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया और कार्यवाही करने की मांग की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवजीलाल खंगार ने बताया कि विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका कमलादेवी जाट द्वारा विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं के साथ जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया जाता है। पूर्व में शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच कमेटी गठित की थी। जांच कमेटी द्वारा जांच की गई थी। इसी प्रकरण को लेकर मंगलवार को कैरोद के समस्त ग्रामीणों ने विद्यालय के मेन गेट पर ताला लगा दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि अध्यापिका कमला जाट विद्यालय के स्टाफ व बच्चों सहित ग्रामीणों से भी अभद्रता करती है। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी कार्यालय से आरपी रामकिशन बैरवा व प्रशासनिक अधिकारी प्रहलाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से काफी देर तक समझाइश की। ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि कार्यरत महिला बच्चों को जातिसूचक शब्दों से अपमानित करती है। ग्रामीण काफी देर तक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय में बुलाने की मांग पर अडे रहे। इसके बाद शिक्षा विभाग के दोनों अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि पूरे प्रकरण से अधिकारियों को अवगत करवाया जाएगा।

इस बारे में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि मैं सरकारी कार्य से टोंक शिक्षा विभाग कार्यालय आई हुई हूं। कार्यालय से दो अधिकारियों को मौके पर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी अध्यापिका कमला जाट के खिलाफ जांच चल रही है। जांच कमेटी द्वारा अभी तक मेरे कार्यालय में जांच प्रस्तुत नहीं की गई है। मामला सही पाए जाने पर अध्यापिका के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी को भी ग्रामीणों द्वारा एक शिकायती पत्र सौंपकर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की है। इस दौरान मुकेश बैरवा, धर्मचंद बैरवा, शिव प्रसाद, मुकेश, रामप्रसाद जाट, मीठालाल, प्रभुलाल, मोहनलाल जाट, प्रेम शंकर बैरवा, जितेंद्र बैरवा, राजकुमार, बंसीलाल, रामपाल व जीतराम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

गांव कैरोद के विद्यालय के गेट पर ग्रामीणों ने ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

- 'विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका कमलादेवी जाट द्वारा विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं के साथ जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया जाता है'

रोहित-कोहली की अनुपस्थिति से इंग्लैंड को फायदा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सीरीज में शुभमन गिल टीम इंडिया की अगुवाई करने के लिए पसंदीदा विकल्प होंगे।

- मोईन अली

इंग्लैंड के बल्लेबाज, विराट कोहली के संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। दरअसल, वह इस रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका में हाल ही में खत्म हुए त्रिकोणीय सीरीज में भारत की खिताबी जीत में मंधाना ने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब उनकी नजरें नंबर वन पर बनी हुई हैं।पिछली बार 2019 में नंबर एक वनडे बल्लेबाज बनीं मंधाना ने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न सीरीज की पांच पारियों में 264 रन बनाए। जिसके साथ ही वह इस सीरीज की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रहीं।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2025 का सीजन अपने आखिरी चरण में चल रहा था। इस सीजन अब तक कुल 58 मुकाबले खेले जा चुके थे जिसमें पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को रद्द हुआ मैच भी शामिल है।

रेप पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये एसएमएस स्टेडियम में बम धमाके की धमकी दी

7 दिन में तीसरी बार मिला बम का ईमेल, लिखा- हैदराबाद के होटल में एक लड़की से रेप हुआ, इसलिए मेल कर रहे

जयपुर, 13 मई। सवाई मानसिंह स्टेडियम को 7 दिन में तीसरी बार बम से उड़ने की धमकी दी गई है। इस बार धमकी के साथ एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की गुहार की है। इसके बाद पुलिस ने स्टेडियम में सर्च ऑपरेशन शुरू कर इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में मंगलवार दोपहर 2 बजे एक बार फिर धमकी भरा ईमेल आया। इसमें लिखा- हम साल 2003 में हैदराबाद के लेमन ट्री होटल में एक लड़की के साथ रेप करने वाले के बारे में पुलिस का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी भरे मेल कर रहे हैं। मेल में लिखा कि दो लोगों ने पीड़िता से दहेज में एक करोड़ रुपए मांगे।

मैं राजस्थान सरकार से विनती करता हूं कि रेप के आरोपी को गिरफ्तार करे।इससे पहले 8 मई और 12 मई को भी एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। घंटों सर्च के बाद स्टेडियम में कुछ भी नहीं मिला था। पुलिस ने करीब तीन घंटे तक एसएमएस स्टेडियम में सर्च अभियान चलाया। सर्च के दौरान वहां पर मौजूद खिलाडियों सहित अन्य लोगों को बाहर निकाल दिया गया।

राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि मंगलवार को तीसरी बार जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी मिली है। इसमें स्टेडियम को बम से उड़ने के साथ ही एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की बात भी कही गई है। ईमेल को लेकर हमने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस ईमेल पर भेजे गए नंबरों के साथ ही मेल भेजने वाले व्यक्ति के आधार पर इस मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही स्टेडियम में भी सर्च किया गया, लेकिन कुछ भी नहीं मिला।

एसएमएस स्टेडियम में नए शेड्यूल अनुसार पहला मैच 18 को

जयपुर, 13 मई। भारत और पाकिस्तान बॉर्डर पर फिलहाल शांति का माहौल बना है। दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी है, लेकिन भारत के क्रिकेट मैदानों को बम से उड़ाने की धमकियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को 6 दिन के भीतर तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता का बदला लेने के इरादे से ये धमकी दी गई है। बताते चलें कि आईपीएल 2025 के नए शेड्यूल अनुसार अभी यहां 3 मैच और खेले जाने बाकी हैं। पहले भी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ये दोनों धमकियां 8 मई और 12 मई को आई थीं। धमकी के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है और स्टेडियम को फिर से खंगाला जा रहा है। 12 मई को आईपीएल 2025 का नया शेड्यूल जारी किया गया था, बचे हुए 17 मैचों में से तीन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में ही खेले जाने हैं।

जब 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को पहली बार धमकी मिली थी, तभी से स्टेडियम के आसपास के इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई और साथ ही तलाशी अभियान पिछले कई दिनों से जारी है। बताया जा रहा है कि ईमेल

के जरिए मिली धमकी के बाद साइबर क्राइम टीम सक्रिय हो गई है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में नए शेड्यूल अनुसार पहला मैच 18 मई को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। इसके अलावा 24 मई को पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स और 26 मई को यहीं पर पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस का मैच खेला जाएगा।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का दावा

रोहित-विराट नहीं खेलेंगे 2027 वनडे वर्ल्ड कप

नई दिल्ली, 13 मई। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। दोनों ही खिलाड़ी पहले ही टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले चुके हैं। दोनों अब बस वनडे क्रिकेट खेलते दिखेंगे। दो साल बाद 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। माना जा रहा है कि दोनों वर्ल्ड कप खेलने के बाद रिटायरमेंट लेंगे।

इस दौरान पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि दोनों ही वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे।रोहित ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया था। वहीं कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा है। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था।रोहित और कोहली अब बस वनडे क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। दोनों ही खिलाड़ियों का लक्ष्य

होगा कि 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को जीतकर क्रिकेट से रिटायमेंट की घोषणा की जाए।

ऐसे में गावस्कर ने वर्ल्ड कप को मद्देनजर रखते हुए कहा है कि वो दोनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट का भाग नहीं होंगे।गावस्कर ने कोहली और रोहित की तारफी करते हुए कहा कि दोनों ही खिलाड़ी इस फॉर्मेट के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन सवाल ये है कि क्या दोनों खिलाड़ी जिस तरह का खेल पिछले तीन साल से खेलते हुए आ रहे हैं, क्या वो आगे भी इसी तरह खेल पाएंगे?

गावस्कर ने आगे कहा कि, वे खेल के इस फॉर्मेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रहे हैं, फिर से सिलेक्शन कमिटी शायद 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर नजर रखी रहेगी, वे देखेंगे क्या वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की टीम में शामिल हो पाएंगे? क्या वे जिस तरह से योगदान देते आ रहे हैं, उस तरह योगदान दे पाएंगे, यही सिलेक्शन कमिटी की सोच होगी। अगर सिलेक्शन कमिटी सोचती है हां वे सक्षम हैं तो दोनों ही वहां होंगे।

द. अफ्रीका ने की डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम की घोषणा

केपटाउन, 13 मई। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को लॉर्ड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के लिए टीम की कमान आज टेम्बा बवुमा को सौंपी। टोनी डी जोंजी, रयान रिकेल्टन और एडन मारक्रम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी विकल्प हैं, जबकि उभरते सितारे ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम और बावुमा मध्य क्रम की कमान संभालेंगे। काइल वेरिन स्टंप के पीछे अपना जौहर बिखेरेंगे। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मुल्डर और जेनसन के साथ कैगिसो रबाडा, एनगिडी, डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश के तेज गेंदबाजी की कामन होगी। केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी को स्पिन गेंदबाज के रूप में टीम में जगह दी।

दिग्गज शतरंज खिलाड़ी कास्पारोव का बयान, डी गुकेश से कालर्सन को बताया बेहतर

नई दिल्ली, 13 मई। रूस के महान चेस खिलाड़ी गैरी कास्पारोव का मानना है कि डी गुकेश भले ही वर्ल्ड चैंपियन हैं, लेकिन नार्वे के मैग्नस कार्लसन हर लिहाज से उनसे बेहतर हैं। कास्पारोव का मानना है कि गुकेश उनकी तुलना में अलग स्थिति में है क्योंकि नार्वे के कार्लसन इस दौर में मौजूद हैं और बेस्ट हैं।

बता दें कि, महज 17 वर्ष की उम्र में गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 14 गेमों में हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीता था। इस दौरान गुकेश ने कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था।कास्पोरोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1985 में अनातोली कार्पोव को हराकर वर्ल्ड खिताब अपने नाम किया था। कास्पारोव ने बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक के दौरान सेंट लुईस शतरंज क्लब के यूट्यूब चैन से कहा कि, गुकेश आधिकारिक रूप से वर्ल्ड चैंपियन हैं और इसमें कोई शक नहीं है लेकिन हर लिहाज से उससे बेहतर एक और खिलाड़ी भी है।

गुकेश और कार्लसन के बीच ये तुलना पहली बार नहीं हुई है। कास्पारोव ने गुकेश समेत भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उन्हें विशी के बच्चे करार दिया। पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद उनके समकालीन रहे हैं।

आरबीआई रिक्रिएशन क्लब जयपुर ने नील कमल क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 13 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में आर बी आई रिक्रिएशन क्लब ने नील कमल क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराया। आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर नील कमल क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरुष मक्कड़ के 38 रन, वंश शर्मा के 38 रन, दर्शील के 27 रन व सर्वहित वर्मा के 20 रन नाबाद से बारिश से बाधित मैच में 20 ओवर में 5 विकेट पर 152 रन बनाए। आर बी आई रिक्रिएशन क्लब के लिए प्रिंस ने 27 पर 3, भूदेव सिंह ने 28 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर बी आई

रिक्रिएशन क्लब ने राजेश विश्नोई सीनियर के 52 रन, प्रणय शर्मा के नाबाद 72 रन व शक्ति सिंह के 13 रनों से 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। नील कमल क्रिकेट क्लब के लिए अमन शेखावत ने 19 पर 2 विकेट लिए।

नारायणा एकेडमी की जीत में संजू सारन शतक से चूके, नवीन बूरी का ऑलराउंडर प्रदर्शन

जयपुर, 13 मई। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में नारायणा एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 174 रनों के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नारायणा एकेडमी ने संजू सारन 92 आदित्य सैनी 60, नवीन बूरी 49 नाबाद, यश खीचड़ 41, रोहन सारन 31, सात्विक 23 रंक सहयोग से 50 ओवर में 7 विकेट पर 334 रन बनाए। संस्कार एकेडमी की ओर से राजवीर लाम्बा, अभयराज ने 2-2 विकेट, निशांत , देवांग जैन ओर अशाद हुसैन ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए संस्कार एकेडमी नारायणा की शानदार गेंदबाजी के सामने 38 ओवर में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। योगेश सैनी 51, अभयराज 29, अक्षत गुप्ता 27, राजवीर लाम्बा 15 रन बनाए। नारायणा की ओर से नवीन बूरी 4 मयंक गिल 3, यश खीचड़ 2, रोहित चौधरी ने 1 विकेट लिए। आज के मैन ऑफ़ द मैच नवीन बूरी रहे।

मरीन ड्राइव पर राजस्थान के राइडर्स का दबदबा, 2 स्वर्ण सहित जीते 5 पदक

पटना, 13 मई। बिहार की राजधानी पटना के मरीन ड्राइव पर मंगलवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 की रोड साइक्लिंग स्पर्धा में राजस्थान के साइकिलिस्टों ने तूफानी प्रदर्शन किया। आज यहां ठंडी हवाओं और दर्शकों की भारी भीड़ के बीच राजस्थान के राइडर्स ने व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में अपना दमखम दिखाया और छह में से पांच पदक अपने नाम किए, जिनमें से दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य शामिल हैं। लड़कों की 30 किलोमीटर की रोमांचक रेस में तो राजस्थान के बेटों ने क्लीन स्वीप कर दिया।

दोनों ही वर्गों में महाराष्ट्र की जुल गंजम नारकर एकमात्र ऐसी राइडर रहीं, जिन्होंने राजस्थान के दबदबे को चुनौती दी। नारकर ने 20 किलोमीटर की रेस 32 मिनट और 49.291 सेकेंड (औसत रफ्तार 36.6 किलोमीटर प्रति घंटा) में पूरी कर रजत पदक अपने नाम किया। लेकिन, स्वर्ण पदक पर कब्जा राजस्थान की मंजू चौधरी ने किया। बीकानेर में अभ्यास करने वाली बाड़मेर की इस बेटी ने 32 मिनट 15.142 सेकेंड (औसत रफ्तार 37.2 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ पहला स्थान हासिल किया। दिलचस्प बात यह है कि मंजू का यह पहला खेलो इंडिया यूथ गेम्स है और वह सिर्फ रोड रेसिंग में ही हिस्सा लेती हैं। मंजू की टीम की साथी रुक्मिणी भी पीछे नहीं रहीं और उन्होंने 33 मिनट 40.233 सेकेंड (औसत रफ्तार 35.6 किलोमीटर प्रति घंटा) में रेस पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

स्कूल गेम्स की चैंपियन और दो साल पहले ही साइक्लिंग शुरू करने वाली मंजू ने अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आई थी और मैं अपने परफॉर्मेंस से बहुत खुश हूं। मुझे रोड रेसिंग बहुत पसंद है और मैं सिर्फ टाइम ट्रायल में ही हिस्सा लेती हूं। यहां रेस करने में मुझे बहुत अच्छा लगा। महिलाओं की इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की शिवानी कृष्ण पारित चौथे और मेजबान बिहार की अमृता कुमारी पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग के 30 किलोमीटर टाइम ट्रायल रेस में राजस्थान के रामवतार चिम्पा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्लीन स्वीप किया। रामवतार ने 40 मिनट 21.245 सेकेंड (औसत रफ्तार 44.6 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, उनके साथी महादेव सारन ने 40 मिनट 49.486 सेकेंड (औसत रफ्तार 43.9 किलोमीटर प्रति घंटा) में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक भी राजस्थान के ही महावीर सारन के नाम रहा, जिन्होंने 41 मिनट 43.480 सेकेंड (औसत रफ्तार 43.1 किलोमीटर प्रति घंटा) में रेस पूरी की।

भारत लौटने को तैयार नहीं है विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, 13 मई। बीसीसीआई और आईपीएल टीमें 17 मई से फिर से शुरू हो रहे आईपीएल के लिए अपने खिलाड़ियों को भेजने के लिए विदेशी बोर्ड पर दबाव बना रहे हैं। बीसीसीआई के आला अधिकारियों ने आईपीएल सीओओ हेमांग अमीन से कहा है कि वे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड से खुद बात करके सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करे।भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण 9 मई को लीग स्थगित कर दी गई थी। इसके एक दिन बाद ही हालांकि, युद्धविराम की घोषणा के बाद आईपीएल की

बहाली का मार्ग प्रशस्त हुआ। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि, हम विदेशी बोर्ड से निजी तौर पर बात कर रहे हैं जबकि टीम सीधे अपने खिलाड़ियों के संपर्क में है। हमें उम्मीद है कि अधिकांश लौट आएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत लौटने या नहीं लौटन का फैसला खिलाड़ियों पर छोड़ दिया है। वहीं टीम अधिकारियों ने बताया कि कुछ विदेशी खिलाड़ी वापसी को लेकर अभी बी आशंकित हैं लेकिन अधिकांश के लौट आने की संभावना है। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथ ने कहा कि, संशोधित कार्यक्रम का ऐलान कल रात हुआ। हम अपने विदेशी खिलाड़ियों से संपर्क कर रहे हैं। इसके बाद ही तस्वीर साफ हो सकेगी। हमारा मैच 20 मई को है तो अभी काफी समय है। साथ ही पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस के लौटने की उम्मीद कम है, हालांकि, मुख्य कोच रिकी पोंटिंग उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के जेवियर बार्टलेट, आरोन हार्डी, अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई और दक्षिण अफ्रीका के मार्क यानसेन लौट सकते हैं। चेन्नई और हैदराबाद प्लेऑप की दौड़ से बाहर हैं जबकि पंजाब प्लेऑफ में पहुंच सकता है। सनराइजर्स को कप्तान पैट कमिंस और ट्रेविस हेड के लौटने की उम्मीद है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा संग संत प्रेमानंद के आश्रम पहुंचे

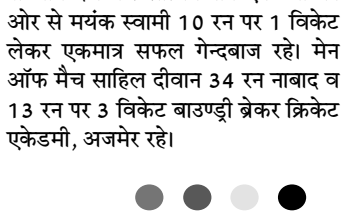

नई दिल्ली, 13 मई। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। जिसके बाद दुनियाभर के उनके फैंस हैरान रह गए। इसके अलगे ही दिन यानी मंगलवार को वह वृंदावन के संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी है। इस दौरान ये कपल वृंदावन के श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में साढ़े तीन घंटे से भी ज्यादा समय तक रहे। उन्होंने संत प्रेमानंद से आध्यात्मिक चर्चा की। बता दें कि, ये पहली बार नहीं है जब विराट-अनुष्का संत प्रेमानंद से मिले हों इससे पहले भी वो उनसे मिलते रहे हैं। सबसे पहले कोहली और अनुष्का 4 जनवरी 2023 को संत प्रेमानंद से मिले थे। इसके बाद इस साल 10 जनवरी को उन्होंने वृंदावन पहुंचकर फिर से संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी। कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणाकी थी। तीसरी बार कोहली पत्नी संग संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए पहुंचे। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण स्थगित आईपीएल लीग और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद कोहली पत्नी संग अनुष्का शर्मा के साथ श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने आध्यात्मिक चर्चा की।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ होने वाली श्रृंखला के लिए टीम की घोषित

लंदन, 13 मई। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए हैरी ब्रूक को टीम का कप्तान बनाया है। 29 मई से शुरू होने वाली इस श्रृंखला के तहत दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 खेले जायेंगे। लियाम डॉसन की सितंबर 2022 के बाद पहली बार टी-20 प्रारुप में लौटे हैं। इसकी के साथ फिल साल्ट और ल्यूक वुड की भी टी-20 टीम में वापसी हुई है जबकि विल जैक्स दोनों टीमों में खेलेंगे।

आईपीएल 2025 : अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा फाइनल मुकाबला!

नई दिल्ली, 13 मई। एक बार फिर आईपीएल 2025 17 मई से शुरू होने जा रहा है। अब एक बार फिर आईपीएल 17 मई से शुरू होने जा रहा है। लीग स्टेज के 13 मुकाबलों के वेन्यू का ऐलान हो गया है, जबकि प्लेऑफ और फाइनल के फाइनल के वेन्यू को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। अब इसको लेकर बड़ा अपडेट आया है।आईपीएल 2025 17 मई से शुरू होगा, जहां आरसीबी और केकेआर के बीच भिड़ंत होगी। लीग स्टेज के 13 मैच 6 स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं डबल हेडर मुकाबले 18 मई और 25 मई को देखने को मिलेंगे।वहीं आईपीएल 2025 में बाकी बचे लीग मैच दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु में होंगे। लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा।

इसके बाद से प्लेऑफ मुकाबले शुरू हो जाएंगे। क्वालीफायर 1,29 और एलिमिनेटर 30 मई को खेला जाएगा। जबकि दूसरा क्वालीफायर 1 जून को होगा। जबकि सीजन का फाइनल 3 जून को खेला जाएगा। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार, अब फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2025 से चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद बाहर हो चुकी है। वहीं बाकी बची सात टीमों के बीच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

साहिल दीवान का ऑलराउंड प्रदर्शन, आकिब की शानदार गेंदबाजी से बाउंड्री ब्रेकर अजमेर विजयी

जयपुर, 13 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम, करधनी कालवाड़ रोड़, जयपुर पर खेले गये पूल डी के मैच में साहिल दीवान 34 रन नाबाद व 13 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा आकिब खान 8 रन पर 3 विकेट की शानदार गेन्दबाजी की बदौलत बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर ने कियान क्रिकेट एकेडमी को 8 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये कियान क्रिकेट एकेडमी की ओर से शेर सिंह 27 रन

व देवेश शर्मा 10 रन को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर के गेन्दबाजों साहिल दीवान 13 रन पर 3 विकेट, आकिब खान 8 रन पर 3 विकेट, राहुल छपरवाल 12 रन पर 2 विकेट तथा अमन मीणा 0 रन पर 1 विकेट की गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 18.1 ओवर में 75 रन बनाकर सिमट गई।

76 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी की ओर से साहिल दीवान 34 रन नाबाद (11 गेंद 2 चौके 4 छक्के), मिरान खान 26 रन नाबाद, पुनित मिश्रा 15 रन की मदद से विजयी लक्ष्य 80 रन 2 विकेट खोकर 7.5 ओवर में ही हासिल कर 8 विकेट से आसानी से जीत दर्ज कर ली। कियान एकेडमी की ओर से मयंक स्वामी 10 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेन्दबाज रहे। मेन ऑफ मैच साहिल दीवान 34 रन नाबाद व 13 रन पर 3 विकेट बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर रहे।

अल्काराज और ड्रेपर भिड़ेंगे इटायिन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

रोम, 13 मई। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज इटालियन ओपन के अंतिम आठ में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर से भिड़ेगे। आज यहां राउंड ऑफ 16 मुकाबले में अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को दो घंटे 29 मिनट तक चले उतार-चढ़ाव वाले मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए फ्रांस के कोरेंटिन मुटेट को 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। यह इस वर्ष में तीसरी बार होगा जब जैक ड्रेपर और स्पेन के कार्लोस अल्काराज किसी मुकाबल में भिड़ेंगे।

रॉयल फुटबाल क्लब ने जयपुर एलिट फुटबाल क्लब को 3-0 से शिकस्त दी

जयपुर, 13 मई। जेरथी फुटबॉल क्लब सीकर ग्राउंड, मानसरोवर जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 3 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया अभी तक 73 मैच खेले जा चुके है।

प्रथम मैच :- जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब और रियल जयपुर फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 0-0 से बराबरी पर रहा। पहला हॉफ में 0-0 से बराबरी पर रहा दूसरे हॉफ में आक्रामक खेल खेला गया दोनों ही टीमों ने 2-2 गोल किए । गोल जयपुर

राइजिंग युधिष्ठिर 53 मिनट ओर तन्मय 65 मिनट ने गोल किए रीयल फुटबाल क्लब की तरफ से आदित व्यास ने 68 मिनट ओर तनिष्क 76 मिनट पर गोल किए ।

दूसरा मैच :- जयपुर एलीट फुटबाल क्लब सीकर और रॉयल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच रॉयल फुटबाल क्लब ने 3-0 से शानदार जीत हासिल की । तीनों ही गोल अनुज शर्मा 5, 36, 69 मिनट ने किए ओर हैट्रिक लगाई।

तीसरा मैच :- जिंक फुटबाल अकादमी और सिटी वालव्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच जिंक अकादमी ने 3-0 से जीत हासिल की। आगामी फुटबाल लीग के मैच 15 मई को में खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान समिट में हुए विभिन्न एम.ओ.यू. की समीक्षा बैठक की

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निवेशकों की अपेक्षाओं की पूर्ति हमारी जिम्मेदारी है

जयपुर, 13 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। इसकी प्राप्ति में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हस्ताक्षरित एमओयू की समयबद्ध क्रियान्विति मील का पत्थर साबित हो रही है। समिट के अन्तर्गत, लगभग 37 लाख करोड़ रूपये के एमओयू हुए हैं, जिनमें से 3 लाख करोड़ रूपये के निवेश समझौते धरातल पर भी उतर चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित निवेशकों से निरंतर संवाद कर उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करें।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिये कि जिला कलैक्टर बेहतर सामंजस्य के साथ एम.ओ.यू. की क्रियान्विति को सुनिश्चित करें।**

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट में पर्यटन, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वस्त्र एवं परिधान, ऑटोमोबाइल तथा इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्षेत्र में हस्ताक्षिरत एमओयू की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला कलैक्टर निवेशकों द्वारा इच्छित जमीन के आवंटन के लिए त्वरित निर्णय लें।

साथ ही, निवेशकों को जमीनों के सभी संभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव, ढ़ाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण हमारी सरकार का प्रमुख ध्येय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए भी कैरियर के सुनहरे अवसर हैं।

मुख्यमंत्री ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की सीमितता के कारण वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगिता बढ़ती जा रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइज़िंग राजस्थान समिट में हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि जिला कलैक्टर निवेशकों को जमीनों के सभी संभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराएं।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत एवं विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी तथा संबंधित निवेशक उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न जिला कलैक्टर वीसी के माध्यम से जुड़े।

70 देशों के राजनयिकों को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने 70 देशों के राजनयिकों को आज यहां ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पाकिस्तान द्वारा चलाये गये दुष्प्रचार का भी पर्दाफाश किया।

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय ने मंगलवार को यहां बताया कि रक्षा खुफिया एजेंसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डी एस राणा ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए मानदंड स्थापित करने वाले ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी।

- **वार्ता में भारत ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार का पर्दाफाश किया।**

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में नए युग के युद्ध में सैन्य श्रेष्ठता के माध्यम से भारत की शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रदर्शन किया गया।

बातचीत के दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों की युद्ध प्रभावशीलता के साथ संयुक्तता और एकीकरण के माध्यम से हासिल समन्वित बल प्रयोग पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने पाकिस्तान के द्वारा चलाए जा रहे भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता पर इसके प्रभाव का की भी जानकारी दी।

जस्टिस बी.आर. गवई आज सीजेआई पद की शपथ लेंगे

सीजेआई की कुर्सी तक पहुँचने वाले वे अनुसूचित जाति के दूसरे व्यक्ति हैं

नयी दिल्ली, 13 मई। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई बुधवार (14 मई) को उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास में यह एक उल्लेखनीय मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वे पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन के बाद अनुसूचित जाति समुदाय से न्यायपालिका में शीर्ष पद पर पहुँचने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। उनकी मुख्य न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आज सेवानिवृत्त होने के बाद हुई है। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। वह 23 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। वह प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, प्रमुख अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद एवं कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके आर एस गवई के पुत्र हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने नागपुर विश्वविद्यालय से बीए एलएलबी की डिग्री ली इसके बाद 16 मार्च, 1985 को वकालत शुरू की थी।

- **जस्टिस के.जी. बालकृष्णन अनुसूचित जाति के पहले सदस्य थे जो सीजेआई बने थे।**
- **जस्टिस संजीव खन्ना मंगलवार को सीजेआई पद से सेवानिवृत्त हो गए और 14 मई को जस्टिस गवई को सीजेआई पद की शपथ दिलाई जाएगी।**
- **जस्टिस गवई विख्यात अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद तथा कई राज्यों के राज्यपाल रहे आर.एस. गवई के पुत्र हैं।**

उन्होंने वर्ष 1987 से 1990 तक बम्बई उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से वकालत की। उन्होंने वर्ष 1990 के बाद मुख्य रूप से संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ में वकालत की।

न्यायमूर्ति गवई को 14 नवंबर, 2003 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए थे। वह 12 नवंबर, 2005 को बम्बई उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने।

न्यायमूर्ति गवई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की भी अध्यक्षता की।

उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व महाधिवक्ता और बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीश (स्वर्गीय) बैरिस्टर राजा एस भोंसले के साथ करियर की शुरूआत की हालांकि उन्होंने संक्षिप्त अवधि तक ही उनके साथ काम किया।

वे शीर्ष अदालत में संवैधानिक पीठ द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें नोटबंदी, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और एससी/एसटी श्रेणियों के भीतर उप वर्गीकरण शामिल हैं। उन्होंने एससी/एसटी के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुरज़ोर वकालत की थी।

चौमूं में स्कॉर्पियो की टक्कर में चार की मौत

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की कालाडेरा रोड पर हुई टक्कर में मोटर साइकिल सवार उछल कर 30 फीट दूर गिरे थे

चौमू / कालाडेरा, 13 मई। कालाडेरा चौमू सड़क मार्ग पर स्थित जयसिंहपुरा-गुवारड़ी पुलिया के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी ने 2 मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार 4 लोगों की मौत हो गई तथा स्कॉर्पियो में सवार 2 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। स्कॉर्पियो की स्पीड इतनी अधिक थी कि पहिया (टायर) निकलकर अलग हो गया। हादसा मंगलवार को शाम 5.30 बजे कालाडेरा थाना क्षेत्र में हुआ।

गोविन्दगढ़ सीओ राजेश जांगिड़ ने बताया कि, यूपी के नंबर की स्कॉर्पियो गाड़ी तेज स्पीड में कालाडेरा से चौमू की ओर आ रही थी। मोटरसाइकिल सवार चौमू से कालाडेरा जा रहे थे। कालाडेरा चौमू सड़क मार्ग पर स्थित जयसिंहपुरा-गुवारड़ी के पास स्कॉर्पियो ने दो मोटरसाइकिलों पर 4 युवकों को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल सवार उछलकर 30 फीट दूर जा गिरे। चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो बेकाबू होकर सड़क से करीब 50 फीट दूर गड्ढे में जाकर पलट गई। स्कॉर्पियो बुरी तरह डैमेज हो गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। सड़क पर लम्बा जाम लग गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिलों को साइड में करवाया और क्रेन की मदद से स्कॉर्पियो गाड़ी को हटाकर पुलिस थाने भिजवाया गया। चारों शवों को चौमू के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। कालाडेरा थाना क्षेत्र के अनोपपुरा के अमित मीणा पुत्र राजेश मीणा उम्र 20 वर्ष और अजय शर्मा, पुत्र सीताराम शर्मा उम्र 24 वर्ष के परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम करवा कर मृतकों के शवों को परिजनों को सौंप दिया। दूसरी मोटरसाइकिल सवार योगेश बुनकर पुत्र पुरणमल बुनकर निवासी जीणमाता नगर रामपुरा सेवापुरा थाना दौलतपुरा जिला जयपुर शहर, पूरण मल पुत्र लच्छूराम जाति बुनकर निवासी जीणमाता नगर रामपुरा सेवापुरा थाना दोलतपुरा जिला जयपुर शहर, के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है। इनके परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। हादसे में स्कॉर्पियो सवार गंभीर रूप से घायल दो लोगों को चौमू के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे की जानकारी मिलने पर चौमू विधायक शिखा मील बराला व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा अस्पताल पहुंचे और जानकारी ली।

- **गोविन्दगढ़ सी.ओ. के अनुसार यूपी की स्कॉर्पियो कालाडेरा से चौमूं आ रही थी, जब जयसिंहपुरा-गुवारड़ी पुलिया पर यह टक्कर हुई। स्कॉर्पियों में बैठे दो व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हैं।**

जिंदा बम प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य को मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने रद्द कर उन्हें भी दोषमुक्त किया था। इसके बावजूद भी समान मामले में विशेष न्यायालय ने गत 8 अप्रैल को याचिकाकर्ता सहित तीन अन्य को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुना दी। याचिका में इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि जिंदा बम का मामला मूल मामले से अलग नहीं है। घटना में किसी तरह की जनहानि भी नहीं हुई है। उस पर आरोप था कि उसने धमाकों के बाद टीवी चैनल को ईमेल भेजकर जिम्मेदारी ली थी। समान आरोप से विशेष न्यायालय ने उसे बरी कर दिया था। ऐसे में अब उसे जिंदा बम के मामले में सजा नहीं दी जा सकती। इसलिए विशेष न्यायालय के आदेश को रद्द कर उसे दोषमुक्त किया जाए। मामले पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत से रिकॉर्ड तलब किया है।

गौरतलब है कि 13 मई, 2008 को शहर में विभिन्न स्थानों पर कुल 8 बम ब्लास्ट हुए थे। चांदपोल हनुमान मंदिर के पास एक बम जिंदा मिला था। मामले में विशेष न्यायालय ने 18 दिसंबर, 2019 को शाहबाज हुसैन को बरी करते हुए शेष चार अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने मार्च 2023 को चारों आरोपियों की सजा को रद्द कर दिया था।

भारत-पाक युद्ध को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्शकों की रुचि और प्रासंगिकता। ज्यादातर पश्चिमी दर्शकों के लिए दक्षिण एशिया आज भी भौगोलिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से दूरस्थ लगता है। न तो यहाँ प्रत्यक्ष पश्चिमी सैन्य हस्तक्षेप है, और न ही आर्थिक दृष्टि से कोई बड़ा प्रभाव। इसलिए पश्चिमी मीडिया की संपादकीय टीमों को लगता है कि इस क्षेत्र की खबरें उनके पाठकों और दर्शकों से जुड़ाव नहीं बना पाएंगी। जब मिसाइलें चलती हैं तो एक छोटी सी रिपोर्ट, संयुक्त राष्ट्र या अमेरिका का कोई बयान, और फिर चुप्पी।

विडंबना यह है कि न्यूक्लियर डिटरैंस (परमाणु निरोध) का अस्तित्व ही मीडिया के इस रुख का कारण है। संपादक यह मानकर चलते हैं कि दोनों पक्ष युद्ध से पहले ही पीछे हट जाएंगे, जैसा कि अतीत में होता आया है। लेकिन यह मान्यता आज की बदलती परिस्थितियों में खतरनाक साबित हो सकती है। आज की राजनीति, सोशल मीडिया से प्रेरित राष्ट्रवाद, और धुंधले युद्धों के बीच, गल्तियाँ करने की गुंजाइश कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

अंत में आता है, इण्डिया पैराडॅक्स। एक उभरती आर्थिक शक्ति और पश्चिम की इंडो-पैसिफिक रणनीति में अहम भागीदार होने के कारण ग्लोबल मीडिया में भारत एक जटिल स्थान पर है। प्रमुख मीडिया संस्थान, जो दक्षिण एशियाई पाठकों को ध्यान में रखते हैं, भारत की आलोचना करते हुए भी सावधानी बरतते हैं, ताकि पाठकों तक उनकी पकड़ बरकरार रहे और उन्हें डिजिटल प्रतिक्रिया का सामना नहीं करना पड़े।

नतीजा क्या है?

एक ऐसी कहानी, जो वैश्विक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है, उसे कभी-कभी तो किसी हॉलीवुड सेलिब्रिटी के तलाक या किसी वायरल वीडियो से भी कम तवज्जो मिलती है।

अगर अकल्पनीय घटना घटित हो जाए, अगर किसी गलती से एक बड़ा युद्ध शुरु हो जाए, तब शायद पश्चिमी मीडिया हड़बड़ाकर ब्रेकिंग न्यूज़ दिखाना शुरु कर दे। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी, उस तरह की पत्रकारिता के लिए, जो जनमत तैयार कर सकती थी, कूटनीति को प्रभावित कर सकती थी, या शायद संकट को टाल सकती थी।

एक ऐसी दुनिया में, जहाँ धारणाएं नीतियाँ तय करती हैं और सार्वजनिक दबाव निर्णयों को प्रभाति करते हैं, वहाँ इस सुस्ती को केवल पत्रकारिता की चूक नहीं, एक रणनीतिक दृष्टिहीनता कहा जा सकता है।

'ऑपरेशन सिंदूर अब भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी पर्दाफाश कर दिया जिसमें इस प्रणाली को नष्ट करने का दावा किया गया था।

वायु योद्धाओं के निरंतर भारत माता की जयघोष के बीच मोदी ने जमकर सराहना की और कहा कि उनकी वीरता और गौरव की कहानी ऑपरेशन सिंदूर की गूंज अब दुनिया भर में सुनाई दे रही है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, आज सुबह, मैं एएफएस आदमपुर गया और हमारे बहादुर वायु योद्धाओं और सैनिकों से मिला। साहस, दृढ़ संकल्प और निडरता के प्रतीक उन लोगों के साथ समय बिताना बहुत ही विशेष अनुभव था। भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी रहेगा, जो हमारे देश के लिए सब कुछ करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपरेशन सिंदूर अब भारत का न्यू नॉर्मल है। हमने तीन सूत्र तय कर दिये हैं। यदि भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके और शर्तों पर तथा अपने समय पर जवाब देंगे। दूसरा भारत न्यूकलियर ब्लैकमेल नहीं सहेगा। भारत आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग अलग नहीं देखता और अब दुनिया भी भारत के इस नये रूप को देखते हुए आगे बढ़ेगी।

केन्द्र के आश्वासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, जिसका उल्लंघन किया गया है। याचिका में कहा गया है कि आश्वासन के बावजूद, पंजीकृत वक्फ संपत्ति को नष्ट कर दिया गया।

यह अवमानना याचिका उत्तराखंड के महफूज अहमद ने दायर की है। देहरादून के रहने वाले याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि राज्य प्रशासन ने बिना किसी नोटिस के दरगाह को ढहा दिया है, जबकि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधित कानून को लागू नहीं करने का आश्वासन दिया था।

याचिका में यह भी कहा गया है कि यह दरगाह 1982 में सुन्नी सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ लखनऊ के साथ पंजीकृत थी। याचिका में दावा किया कि दरगाह पिछले 150 वर्षों से धार्मिक महत्व का एक पूजनीय स्थल रहा है और संपत्ति की वैधता साबित करने वाले प्रासंगिक दस्तावेज उनके पास हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री के पोर्टल पर की गई एक सामान्य शिकायत के आधार पर की गई थी।

न्यायिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। इसके लिए होमगार्ड की नियुक्ति के साथ ही सीसीटीवी लगाए गए हैं। अदालत ने कहा कि झारखंड में एडीजे स्तर के अधिकारी की गोली मारकर हत्या हुई है। इस पर एजी ने कहा कि यहां भी ऐसी घटना हुई थी। जोधपुर हाईकोर्ट में समान मामले में जनहित याचिका चल रही है। उसके आधार पर एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर कार्रवाई की जा रही है। इस पर अदालत ने कहा कि अब तक मामले में जो कार्रवाई की गई है उसकी जानकारी अदालत में पेश की जाए।

गौरतलब है कि न्याय शिखा अपार्टमेंट में एक महिला न्यायिक अधिकारी के आवास पर चोरी की घटना हुई थी।

इसके बाद सामने आया था कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं, जबकि उस क्षेत्र में करीब 150 अधिकारी रहते हैं। मामले में राजस्थान न्यायिक सेवा अधिकारी संघ ने भी सीजे को पत्र लिखा था।

भाजपा को शीघ्र ही जवाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉनल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान दोनों को "दो महान देश" कह कर एक ही स्तर पर रख दिया, लेकिन मोदी न तो इसका प्रतिवाद कर पाए और न ही अमेरिकी राष्ट्रपति को तथ्यों का सही विवरण दे पाए। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में, मोदी ने तीन दिवसीय युद्ध के विवादास्पद मुद्दों का कोई ज़िक्र नहीं किया, बल्कि उन्होंने कहा कि भविष्य में पाकिस्तान को सबक सिखाया जाएगा।

सवाल यह है कि जब हालात अनुकूल थे, इसी समय क्यों नहीं? जब सेना को पूरी तरह तैयार कर दिया गया था और "फाइनल स्ट्राइक" के लिए कहा गया था, तो अचानक सेना को क्यों रोक दिया गया और पीछे हटने का आदेश दे दिया गया?

देशवासी पूछ रहे हैं: आख़िर चल क्या रहा है, प्रधानमंत्री जी? क्या हुआ उस गर्जना का, जिसमें कहा गया था कि वे आतंकवादियों का पीछा "दुनिया के अंत तक" करेंगे?

पहलगाम में खुफिया तंत्र की विफलता को दबा दिया गया है तो गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही और ज़िम्मेदारी कहाँ है?

वह प्रचार भी ध्वस्त हो गया कि भारत के पास दुनिया भर में ढेरों मित्र और शुभचिंतक हैं, जब भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, उस समय कोई भी देश खुलकर भारत के साथ नहीं आया, जबकि पाकिस्तान को चीन और तुर्की जैसे देश खुलकर समर्थन दे रहे थे।

मोदी सरकार को आत्ममंथन की सख्त जरूरत है, केवल दिखावटी स्पष्टीकरण और क्षति-नियंत्रण ही अब पर्याप्त नहीं हैं।

पाक उच्चायोग का अफसर भारत से निष्कासित

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अवांछित घोषित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए कहा है।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों में शामिल होने के लिए गैर-आकलन व्यक्ति घोषित किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया।

'भारतीय सेना और हथियारों की ताकत ने पाकिस्तान को मजबूर किया, युद्ध रोकने के लिए'

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति के पीछे परमाणु युद्ध की आशंका और व्यापार बंद करने की धमकी को कारण बताये जाने को आज खारिज कर दिया तथा जम्मू कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कराने की मंशा को भी अस्वीकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया कि भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला पाकिस्तान की पहल पर दोनों देशों ने द्विपक्षीय रूप से लिया है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। यह सिर्फ भारतीय सैन्य कार्रवाई की ताकत से संभव हो पाया। जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों पर पूछे गये सवालों के जवाब में कहा कि 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने पर सहमति बनने तक, भारत और अमेरिका के नेताओं के बीच सैन्य स्थिति पर बातचीत होती रही। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार संबंधी कोई मुद्दा नहीं उठा।

- **प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 7 मई को ऑपरेशन शुरु होने से 10 मई को गोलीबारी बंद करने की सहमति बनने तक अमेरिका से सैन्य स्थिति पर बातचीत हुई थी, ट्रेड का मुद्दा नहीं उठा था।**

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा परमाणु युद्ध संबंधी आशंका के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई पूरी तरह से पारंपरिक रूप से हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि पाकिस्तान की नेशनल कमांड अथॉरिटी 10 मई को बैठक करेगी। लेकिन बाद में उन्होंने इसका खंडन किया।

भारत-पाक युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युद्धपोत और वो अब अमेरिका की वैश्विक शक्ति को चुनौती दे रहे हैं। एक महाशक्ति चुनौती में है और एक नई महाशक्ति उसे हटाकर उसकी जगह लेने की तैयारी में।

अब इन दोनों स्थितियों की तुलना कीजिए: एक ओर है मध्ययुगीन युद्ध, और दूसरी ओर एक आर्थिक युद्ध, जो धीरे-धीरे भू-राजनीतिक संघर्ष में बदल रहा है। दो अलग अवधारणाएं। दो अलग युद्ध। लेकिन दोनों ही उतने ही खतरनाक हैं।

क्योंकि यह मध्ययुगीन युद्ध अब तीर-तलवार और भाले से नहीं लड़ा जा रहा, बल्कि इक्कीसवीं सदी के अत्याधुनिक घातक हथियारों से लड़ा जा रहा है। इसी विशेष संदर्भ में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दुविधा यह रही कि उन्हें भारत की स्थिति को, बिना पूरी सच्चाई बताए, समझाना पड़ रहा था। वे देशवासियों को आश्वस्त कर रहे थे कि युद्धविराम कोई बाहरी निर्णय नहीं था। और वे बाहरी दुनिया को यह संदेश दे रहे थे कि भारत के पास निर्णय लेने की स्वतंत्रता है और भारत आज भी, और आगे भी, अपने निर्णय खुद ही लेगा।

भाजपा ग्यारह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। युद्धिविराम के बाद भाजपा की पहली प्रेस वार्ता में, पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने, 11 एयरबेस नष्ट हुए तथा 100 आतंकी और 50 सैनिक मारे गए। 13 से 23 मई तक चलने वाली तिरंगा यात्रा के दौरान, भाजपा देशभर में जुलूस निकालेगी, जिनमें पार्टी कार्यकर्ता और प्रमुख नागरिक तिरंगा लेकर शामिल होंगे। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प के साथ-साथ, सशस्त्र बलों की वीरता और दृढ़ निश्चय को प्रदर्शित करेगा।

शशि थरूर किसके प्रवक्ता हैं, कांग्रेस के या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और तत्काल युद्धविराम" के लिए राजी किया है। सोमवार को उन्होंने यह दावा किया कि उनकी (ट्रंप) शर्तों पर उनके (भारत-पाकिस्तान) के सहमत न होने की स्थिति में, उन्होंने इन युद्धरत पड़ोसियों को, उनके साथ व्यापार न करने की, धमकी दी थी।

हैरान करने वाली बात यह है कि थरूर, सरकार का हिस्सा तो है नहीं, कि उन्हें नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच समझौते के बारे में हुई बातचीत की विस्तृत जानकारी हो, इसके बावजूद उन्होंने पार्टी के रुख की परवाह न करते हुए, ये सब बातें ऑन रिकॉर्ड कहने का साहस किया।

मोदी सोमवार की शाम को उस समय एकाएक आक्रोशित नजर आये, जब उन्होंने घोषणा की कि भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा, लेकिन उन्होंने ट्रंप द्वारा उपमहाद्वीप में शांति स्थापित करने की उनकी भूमिका पर जोर दिये जाने तथा कश्मीर मुद्दे के समाधान की पेशकश के उनके दावे पर स्थिति साफ नहीं की।

थरूर ने यह माना कि संभवतः अमेरिकन राष्ट्रपति को या तो सही तरीके से ब्रीफ नहीं किया गया, या फिर वे ब्रीफिंग को समझ नहीं पाये। उन्होंने ट्रंप को सलाह दी कि वे दक्षिण एशियाई मामलों पर अपने असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, पॉल कपूर, जिनकी नियुक्ति की अभी अमेरिकन सीनेट ने पुष्टि भी नहीं की है, की बात को ध्यान से सुना करें। जो भी हो, यह तथ्य, कि ट्रंप ने अपना एक ही दावा तीन बार दोहराया था, थरूर के कथन पर संदेह पैदा करता है।

ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की घोषणा किये जाने के बाद, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी तथा सुषमा स्वराज के वे वीडियो सामने आये हैं, जिनमें इन नेताओं ने कश्मीर सहित, भारत के अंदरूनी मामलों में किसी तीसरे पक्ष की दखलन्दाजी को खारिज किया है।

थरूर ने इस बात को स्वीकार नहीं किया कि पिछले सप्ताह दोनों देशों के बीच दुश्मनी बढ़ने के दौरान, अमेरिका ने किसी प्रकार की कोई मध्यस्थता की थी, जिसके बारे में विपक्ष ने प्रश्न खड़े करना शुरू कर दिया है।

थरूर ने कहा कि हो सकता है कि अमेरिकन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने हमारे विदेश मंत्री से फोन पर बात की हो। और उसके बाद, पाकिस्तान से बात की हो, और पाकिस्तान से कह दिया हो कि देखिये, अगर आप (पाकिस्तान) ऐसा नहीं करेंगे तो वे (भारत) भी वैसा नहीं करेंगे। यह तो कोई मध्यस्थता नहीं है। थरूर ने कहा, "मध्यस्थता तो तब होती, जब जयशंकर ने रूबियो को फोन करके कहा होता कि क्या आप पाकिस्तान से ऐसा कह देंगे? और मैं ऐसा नहीं मानता कि भारत ने ऐसा किया होगा।"

थरूर इस मुद्दे पर कोई ठोस जानकारी प्राप्त किये बिना ही यह सब कुछ मान रहे हैं।

ये ऐसे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर भारत सरकार को देने चाहिए, जैसे पहलगाम हमले में शामिल उन चार आतंकियों का क्या हुआ, जिनमें से तीन की तो भारतीय एजेंसियों ने पहचान कर ली थी।

थरूर ने कहा कि भारत को कम से कम एक आतंकी को तो जीवित पकड़ना ही चाहिए, जिससे यह मालूम किया जा सके कि यह हमला उन्होंने किसके निर्देशों पर किया था। थरूर ने यह सुझाव भी दिया कि इस बात का इंतजार किया जाना चाहिए कि चार दिन तक चली लड़ाई के दौरान भारत को हुए नुकसान से संबंधित प्रश्नों के जवाब मोदी सरकार कब, कहां और कैसे देने का निर्णय लेती है।

एक धीर-गंभीर राजनैतिक टिप्पणीकार का मानना है कि थापर से हुई बातचीत में थरूर के अनुमान उनकी पार्टी को बेचैनी की स्थिति में लाने की दृष्टि से सोचे समझे तथा नपे-तुले प्रतीत हुए। ऑपरेशन सिंदूर से एक सप्ताह पहले, थरूर ने मोदी के साथ एक मंच साझा किया था। उस समय मोदी ने चुटकी ली थी कि कांग्रेस सांसद की (इस मंच पर) उपस्थिति से "कुछ लोगों की नींद उड़ जायेगी।"

थरूर स्वयं को एक "क्लासिक लिबरल" के रूप में प्रस्तुत करते हैं तथा कई अवसरों पर उनके विचार कांग्रेस के अधिकृत रूख के विपरीत रहे हैं, जैसे मुश्किल से तीन महीने पहले एफ-35 स्टेल्थ एयर क्राफ्ट की खरीद के मामले में।

नेहरू के "पंचायती राज" से उनके विरोध के अलावा, केरल में उनके मुख्य राजनैतिक विरोधी वामपंथियों के बारे में उनके विचार भी ऑन रिकॉर्ड हैं। केरल कांग्रेस के नेतृत्व से उनकी दूरी से सभी परिचित हैं।

कुछ समय पहले, एक अन्य चैनल को दिये एक अन्य इंटरव्यू में, थरूर इस प्रश्न के सीधे उत्तर के कगार पर पहुंच गये थे कि क्या वे निकट भविष्य में भाजपा में शामिल होंगे।

उन्होंने कहा था, "नहीं, हर पार्टी की अपनी एक आस्था और इतिहास होता है। अगर किसी पार्टी की मान्यता आपके गले नहीं उतरती है, तो आपका उस पार्टी में शामिल होना ठीक नहीं है। लेकिन स्वतंत्र रहने का विकल्प तो हमेशा ही खुला हुआ है।"

क्या "स्वतंत्र होना" कांग्रेस को छोड़ने और भाजपा में शामिल होने से पहले का "मिड स्टॉप है?

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालयः** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908